लखनऊ
मंगलवार 19 मई 2025
वर्ष : 10 I अंक: 304
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक
आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

मूर्खता और बुद्धिमता में सिर्फ एक फर्क होता है की बुद्धिमता की एक सीमा होती है । - अल्बर्ट आइंस्टीन

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

भारत की बांग्लादेश पर इकोनॉमिक स्ट्राइक, लैंड पोर्ट्स बंद, 770 मिलियन डॉलर का दिया झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ अब उन देशों के खिलाफ भी एक्शन मोड में आ गया है जो पाकिस्तान और चीन के करीबी माने जाते हैं। इस लिस्ट में अब बांग्लादेश का नाम भी जुड़ गया है। भारत ने बांग्लादेश के लिए बड़ी इकोनॉमिक स्ट्राइक करते हुए उसके लैंड पोर्ट्स के ज़रिए व्यापार पर कड़ा प्रतिबंध लगा दिया है। इस फैसले से बांग्लादेश को करीब 770 मिलियन डॉलर (9,367 करोड़ बांग्लादेशी टका) का तगड़ा झटका लग सकता है। लैंड रूट बंद होने के चलते जमीनी बंदरगाहों पर जाम लग गया है। ट्रक सामान लादे खड़े हैं। पिछले दिनों चीन में बांग्लादेश के एक प्रतिनिधि मोहम्मद युनूस द्वारा भारत विरोधी टिप्पणियां की गईं, जिसके बाद भारत सरकार ने सख्त रुख अपनाया। इसके चलते भारत ने बांग्लादेश को दी गई ट्रांसशिपमेंट सुविधा को 9 अप्रैल 2025 को वापस ले लिया। यह वही सुविधा थी जिसके तहत बांग्लादेश भारतीय बंदरगाहों और दिल्ली एयरपोर्ट के ज़रिए मिडल ईस्ट और यूरोप को माल एक्सपोर्ट करता था। भारत ने अब रेडीमेड गारमेंट्स, प्रोसेस्ड फूड्स और प्लास्टिक प्रोडक्ट्स जैसे बांग्लादेशी सामानों के लिए लैंड पोर्ट्स को पूरी तरह बंद कर दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय के नए निर्देशों के मुताबिक, बांग्लादेश से भारत में इन प्रोडक्ट्स का आयात अब केवल दो समुद्री बंदरगाहों – कोलकाता और न्हावा शेवा (महाराष्ट्र) – के ज़रिए ही किया जा सकेगा।

पाकिस्तान के निशाने पर था स्वर्ण मंदिर, सेना ने ऐसे नाकाम की मिसाइल हमले की साजिश

अमृतसर ,19 मई (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूरÓ के तहत पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया। इस कार्रवाई से बौखलाए पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई के तहत भारत पर कई ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलें दागीं। हालांकि, भारत के अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान की सभी कोशिशों को विफल कर दिया। भारतीय सेना ने सोमवार को एक विशेष प्रदर्शन के जरिए बताया कि किस तरह आकाश मिसाइल प्रणाली, एल-70 एयर डिफेंस गन और अन्य तकनीकों के माध्यम से अमृतसर के स्वर्ण मंदिर और पंजाब के अन्य शहरों को पाकिस्तान के हमलों से सुरक्षित रखा गया। 15 इन्फेंट्री डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल कार्तिक सी. शेषाद्रि ने खुलासा किया कि पाकिस्तान के पास कोई स्पष्ट सैन्य लक्ष्य नहीं था, लेकिन खुफिया जानकारी के आधार पर यह पता चला कि पाकिस्तानी सेना भारतीय सैन्य ठिकानों, नागरिक इलाकों और खास तौर पर धार्मिक स्थलों को निशाना बना सकती है, जिनमें अमृतसर का स्वर्ण मंदिर प्रमुख लक्ष्य था।उन्होंने कहा, हमने स्वर्ण मंदिर की सुरक्षा के लिए विशेष तैयारी की थी और एक अतिरिक्त एयर डिफेंस यूनिट तैनात की गई थी। पाकिस्तान की ओर से भेजे गए ड्रोन और मिसाइलों को हमारे जवानों ने हवा में ही मार गिराया।

'पूरा देश आपके बयान से शर्मिंदा है', सुप्रीम कोर्ट ने 'बेशर्म' मंत्री विजय शाह का उतार दिया पानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सेना की महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कुंवर विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सर्वोच्च न्यायालय ने शाह की ओर से मांगी गई माफी को मगरमच्छ के आंसू बताते हुए अस्वीकार कर दिया और मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी (विशेष जांच दल) के गठन के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने कहा - माफी बचने का तरीका, शर्मनाक टिप्पणी

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, कभी-कभी माफ़ी सिर्फ बचने के लिए मांगी जाती है। आपने जिस तरह के भद्दे, अमर्यादित और विचारहीन शब्द बोले, वो एक मंत्री से नहीं बल्कि किसी जिम्मेदार नागरिक से भी अपेक्षित नहीं हैं।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के मामलों में सिर्फ माफी पर्याप्त नहीं, बल्कि न्यायिक जांच जरूरी है ताकि समाज में एक संदेश जाए कि लोकतंत्र में भाषा की भी एक लक्ष्मण रेखा होती है।

ऑपरेशन सिंदूर : सेना की गरिमा का प्रतीक

ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की एक साहसिक कार्रवाई थी, जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी उपलब्धि माना गया। इस ऑपरेशन में महिला अफसरों की अग्रणी भूमिका थी, जिसे लेकर देशभर में गर्व और सम्मान की भावना दिखाई दी। ऐसे में एक मंत्री द्वारा ऑपरेशन से जुड़ी किसी महिला अधिकारी पर अशालीन और जातीय-लैंगिक टिप्पणी को न केवल सेना बल्कि समाज की गरिमा पर चोट माना गया।

एसआईटी जांच के मायने : सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी में तीन वरिष्ठ ङ्कक्कस् अधिकारी शामिल होंगे, जो इस मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करेंगे। एसआईटी का गठन ऐसे मामलों में दुर्लभ है और यह दिखाता है कि न्यायपालिका इस विषय को बेहद गंभीरता से ले रही है।

राजनीतिक प्रतिक्रिया : इस पूरे प्रकरण पर विपक्षी दलों ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने इसे भाजपा की महिला विरोधी मानसिकता करार दिया है, वहीं भाजपा ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हालांकि अंदरखाने में पार्टी नेतृत्व इस बयान से असहज बताया जा रहा है, क्योंकि यह मुद्दा अब राष्ट्रीय मंच पर पहुंच गया है और इससे सेना और महिला अधिकारी वर्ग की भावनाएं आहत हुई हैं।

यह मामला केवल एक विवादित बयान का नहीं, बल्कि लोकतंत्र में जवाबदेही और गरिमा की परीक्षा है। जब एक जनप्रतिनिधि अपनी शब्दों की मर्यादा खोता है, तो यह केवल व्यक्तिगत गलती नहीं होती, बल्कि वह व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह बन जाता है। सुप्रीम कोर्ट का यह रुख आने वाले समय में राजनीतिक अभिव्यक्ति की सीमाओं और जिम्मेदारी को लेकर मिसाल बन सकता है।

क्या कहा था विजय शाह ने?

यह विवाद 11 मई को इंदौर जिले के महू में आयोजित हलमा कार्यक्रम में शुरू हुआ। मंच से बोलते हुए मंत्री विजय शाह ने कथित रूप से कहा : उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा... हमारी बहनों को विधवा किया, तो अब उनकी जाति की बहन आकर उन्हें नंगा करके छोड़ेगी... यह टिप्पणी उस वक्त आई जब ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने एक सीमापार मिशन को अंजाम दिया था, जिसके बाद कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश विभाग के सचिव विक्रम मिसरी ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

बताइए हमें हमने कितने जहाज खो दिए? राहुल का जयशंकर से सवाल, बन न जाए पाकिस्तान के लिए ढाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से ऑपरेशन सिंदूर पर उनकी टिप्पणी को लेकर फिर सवाल किया और पूछा कि ऑपरेशन के दौरान कितने भारतीय विमान खो गए। एक्स पर एक पोस्ट में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जयशंकर की चुप्पी को निंदनीय बताया। राहुल ने लिखा कि विदेश मंत्री जयशंकर की चुप्पी सिर्फ़ बयानबाजी नहीं है, यह निंदनीय है। इसलिए, मैं फिर से पूछूंगा- हमने कितने भारतीय विमान खो दिए क्योंकि पाकिस्तान को पता था? यह कोई चूक नहीं थी। यह एक अपराध था और देश को सच्चाई जानने का हक है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के बयान के बाद पाकिस्तान और पूरी दुनिया में हमारी खिल्ली उड़ रही है। इसलिए राहुल गांधी बार-बार कह रहे हैं कि आपको जवाब देना चाहिए कि आपने पाकिस्तान को जो चेतावनी दी थी, उससे देश को क्या नुकसान हुआ? हमारे लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि देश के कितने विमान गिरे, देश को क्या नुकसान हुआ और कितने आतंकवादी बच निकले?

राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है, क्योंकि पिछले एक हफ्ते में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने में मध्यस्थता की। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने एक बहुत खौफ़नाक बात यह भी बोली कि उन्होंने भारत को व्यापार रोकने की धमकी देकर युद्ध रुकवाया। यानी सिंदूर का सौदा होता रहा, प्रधानमंत्री चुप रहे। विदेश मंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा।

खेड़ा ने दावा किया कि हमें नहीं मालूम कि अमेरिका और चीन के पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री और भाजपा के नेताओं के ऐसे कौन से राज हैं, क्योंकि इनका कभी अमेरिका और चीन के आगे मुंह नहीं खुलता। जब भी मुंह खुलता है तो सीधा क्लीन चिट देने के लिए खुलता है। उनका कहना था, पूरे देश और दुनिया को मालूम है कि इस युद्ध में चीन की क्या भूमिका रही है और अमेरिका ख़ुद इस युद्ध को रोकने में अपनी भूमिका आगे बढ़-चढ़कर बता रहा है, लेकिन जयशंकर जी का मुंह नहीं खुलता। खेड़ा ने आरोप लगाया कि विदेश मंत्री ने जो किया है, उसे कूटनीति नहीं, बल्कि मुखबिरी कहा जाता है।

LoC के पास बनने लगे बंकर, सीजफायर के बीच जम्मू कश्मीर सरकार का बड़ा कदम

जम्मू। जम्मू कश्मीर सरकार ने सीमा पर संघर्ष विराम का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करते हुए एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्र शासित प्रदेश की सरकार ने नियंत्रण रेखा (LoC) के पास सीमावर्ती निवासियों के लिए सामुदायिक बंकरों का निर्माण शुरू किया है। भारत-पाकिस्तान सीमा पर हाल ही में हुई तनातनी ने अधिकारियों को सामुदायिक बंकरों का निर्माण शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सीमा के पास नौगाम सेक्टर में सामुदायिक बंकरों का निर्माण शुरू किया है। पिछले सप्ताह भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव में सीमा पार से हुई गोलाबारी में यह इलाका बुरी तरह प्रभावित हुआ था। सिंधु जल संधि के निलंबन और पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोके जाने के कारण दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। इसलिए प्राथमिकता के आधार पर सात बंकरों का निर्माण किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर सरकार का यह कदम सीमावर्ती निवासियों के लिए काफी अहम है। पाकिस्तान के साथ संघर्ष में सबसे ज्यादा नुकसान सीमा के पास रहने वालों को ही भुगतना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के प्रति उनकी चिंताओं को दूर करने और बंकरों का निर्माण शुरू करने के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई तनातनी से वे डरे हुए हैं, जिससे उनकी रातों की नींद उड़ गई है और वे गहरी चिंता में हैं। निवासियों ने कहा कि, भगवान न करे, अगर अतीत जैसी स्थिति फिर से पैदा होती है, तो वे इन बंकरों में शरण लेंगे। पिछली घटनाओं को याद करते हुए कई लोगों ने कहा कि उन्होंने हाल के सालों में ऐसी तनावपूर्ण और चिंताजनक स्थिति कभी नहीं देखी थी। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच फिलहाल सीजफायर घोषित है लेकिन सिंधु जल संधि समेत कई मुद्दों पर अभी भी तनाव बना हुआ है। ऐसे में बंकरों का निर्माण एक जिम्मेदारी भरा कदम है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद से तनाव चरम पर है। भारतीय सेना ने इसके जवाब में 7 मई को पाकिस्तान और पीओके में स्थित कई आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया। जिसके बाद पाकिस्तान और भारत के बीच चार दिन तक भीषण गोलीबारी हुई। इसमें पाकिस्तान के कई फाइटर जेट और एयरबेस तबाह हो गए। जिसके बाद 10 मई की शाम से पाकिस्तान के अनुरोध पर भारत ने सीजफायर पर सहमति जताई, जो अभी तक लागू है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों को मिलेगा वन रैंक, वन पेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों की पेंशन को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से रिटायर्ड जजों के लिए वन रैंक, वन पेंशन के आदेश दिए हैं। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। सीजेआई जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने अपने फैसले में कहा, चाहे उनकी प्रारंभिक नियुक्ति का स्रोत कोई भी हो, चाहे वह जिला न्यायपालिका से हो या वकीलों में से हो, उन्हें प्रति वर्ष न्यूनतम 13.65 लाख रुपए पेंशन दी जानी चाहिए।

सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में कहा कि हम मानते हैं कि एडिशनल जजों के परिवार के सदस्यों को भी वे सभी लाभ मिलेंगे, जो हाई कोर्ट के जजों के परिवारों को मिलते हैं। सरकार हाई कोर्ट के रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीश को 15 लाख प्रति वर्ष की पूरी पेंशन देगी। साथ ही हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज और एडिशनल जजों को 13.6 लाख प्रति वर्ष की पूरी पेंशन देगी।

उन्होंने आगे कहा, जज चाहे वकील से बनाए गए हों या जिला न्यायपालिका से हाई कोर्ट आए हों, उन्हें पूरी पेंशन मिलेगी। पारिवारिक पेंशन और विधवा लाभ न्यायाधीशों के परिवार और एडिशनल जजों के परिवार दोनों को समान देना होगा।

चीफ जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने फैसले में कहा कि केंद्र सभी न्यायाधीशों के लिए वन रैंक, वन पेंशन के सिद्धांत का पालन करेगा, चाहे वे किसी भी उच्च न्यायालय में कार्यरत हों।

बता दें कि जस्टिस बीआर गवई हाल ही में भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश बने हैं। सीजेआई बनने के बाद उन्होंने हाई कोर्ट के रिटायर्ड जजों के लिए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। गवई देश के दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश हैं। उनसे पहले जस्टिस के. जी. बालाकृष्णन इस पद पर आसीन रहे थे। जस्टिस बालाकृष्णन साल 2007 में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे।

उच्चतम न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने 16 मार्च 1985 को वकालत की दुनिया में कदम रखा। वर्ष 1987 से 1990 तक उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्वतंत्र वकालत की, और इसके बाद मुख्य रूप से नागपुर पीठ के समक्ष विभिन्न मामलों की पैरवी करते रहे।

अब हमारा ध्यान अमरनाथ यात्रा पर, व्यवधान नहीं चाहते : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पहलगाम की घटना के बाद से हमारी संस्कृति को बहुत नुकसान पहुंचा है। अब हमारा ध्यान अमरनाथ यात्रा को सुगम बनाने पर है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि एलओसी पर स्थिति ठीक है। बॉर्डर और एलओसी पर सीजफायर उल्लंघन की खबरें नहीं आ रही हैं, जो नुकसान हुआ है उसका मुआयना किया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद नुकसान की भरपाई की जाएगी। इस दौरान पर्यटन को भारी नुकसान हुआ है लेकिन अब हमारा पूरा ध्यान अमरनाथ यात्रा को सुगम बनाने पर है। हम नहीं चाहते कि उसमें कोई व्यवधान हो।

बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से किए गए हमलों में सीमावर्ती क्षेत्रों को काफी नुकसान हुआ है। इसके लिए सरकार मुआवजा देने के लिए कह रही है।

सात भारतीय सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजे जाने का जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि संसद के हमले के बाद भी डेलिगेशन भेजे गए थे। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में ऑपरेशन परिक्रमा रखा गया था, उस दौरान भी संसद डेलिगेशन कई देशों में भेजे गए थे। यह पाकिस्तान की हरकतों को अन्य देशों में रखने का अच्छा मौका है। इस दौरान बड़ी पार्टी के नुमाइंदे इन डेलिगेशन में शामिल होंगे और विदेशों में जाकर बात करेंगे। गौरतलब है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति का संदेश साझा करने के लिए भारत सरकार सात भारतीय सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल विदेश भेज रही है। यह सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को स्पष्ट करने के साथ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को अवगत कराएगा।

ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की ओर से पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के लिए चलाया गया। भारतीय सेना की इस एयर स्ट्राइक में 100 से ज्यादा कुख्यात आतंकी मारे गए। प्रतिनिधिमंडल जल्द ही दौरे पर जाएगा।

एनआईए का बड़ा एक्शन: पंजाब में बब्बर खालसा के 15 ठिकानों पर छापेमारी, आतंकी नेटवर्क से जुड़े सबूत जब्त

अमृतसर। प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को पंजाब के चार जिलों में स्थित 15 ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की। यह कार्रवाई गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पैशन और अमेरिका समेत विभिन्न देशों में सक्रिय क्च्यद्ब के कार्यकर्ताओं के नेटवर्क के विरुद्ध की गई। ग्रेनेड हमले के तार विदेशों से जुड़े

एनआईए की यह कार्रवाई पंजाब के गुरदासपुर, बटाला, अमृतसर और कपूरथला जिलों में की गई। यह छापेमारी विशेष रूप से गुरदासपुर जिले के एक पुलिस स्टेशन पर दिसंबर 2023 में हुए हैंड ग्रेनेड हमले के सिलसिले में की गई, जिसकी योजना पाकिस्तान स्थित खालिस्तानी आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा द्वारा रची गई थी। रिंदा का करीबी सहयोगी हैप्पी पैशन, इस हमले का प्रमुख मास्टरमाइंड माना जा रहा है।

एनआईए के अनुसार, इस ग्रेनेड हमले की योजना हैप्पी ने अपने सहयोगी शमशेर सिंह शेरा उर्फ हनी और अन्य साथियों के साथ मिलकर बनाई थी। पहले से गिरफ्तार आरोपी शमशेर की गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि यह नेटवर्क विदेश से संचालित हो रहा था और भारत में स्थित एजेंटों के माध्यम से आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहा था।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल: पुराना लेकिन सक्रिय खालिस्तानी संगठन

बब्बर खालसा इंटरनेशनल एक प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकवादी संगठन है जो भारत से सिख बहुल क्षेत्र पंजाब को अलग कर एक स्वतंत्र खालिस्तान राष्ट्र की मांग करता रहा है। इस संगठन पर भारत में कई आतंकी घटनाओं में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। हाल के वर्षों में इसकी गतिविधियों में एक बार फिर तेजी देखी गई है, खासकर विदेश में स्थित खालिस्तानी समर्थकों के जरिए।

डिजिटल डिवाइस, दस्तावेज और संदिग्ध सामग्री जब्त

एजेंसी ने छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन, संदिग्ध दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। यह सामग्री आतंकी नेटवर्क के वित्त पोषण, प्रशिक्षण और स्थानीय स्तर पर आतंकी वारदातों को अंजाम देने की साजिश से संबंधित हो सकती है।

एनआईए अधिकारियों के अनुसार, इस नेटवर्क का उद्देश्य भारत में आतंकी हमलों को अंजाम देना था। इसमें भारत में मौजूद कार्यकर्ताओं की भर्ती कर उन्हें प्रशिक्षण देना, धन, हथियार और विस्फोटक सामग्री उपलब्ध कराना शामिल था। इन गतिविधियों को पाकिस्तान समेत विभिन्न विदेशी ठिकानों से अंजाम दिया जा रहा था।

अमेरिका और पाकिस्तान से संचालित हो रहा था आतंकी नेटवर्क

एनआईए की जांच में यह बात भी सामने आई है कि इस नेटवर्क का संचालन अमेरिका, पाकिस्तान और अन्य देशों में स्थित क्च्यद्ब के सदस्य कर रहे थे। वे भारत में आतंकवादी साजिशों को अंजाम देने के लिए युवाओं की भर्ती और कट्टरपंथीकरण का अभियान चला रहे थे। इसके लिए सोशल मीडिया, एनक्रिप्टेड ऐप्स और हवाला नेटवर्क का सहारा लिया गया।

विशेष रूप से हैप्पी पैशन और रिंदा, पंजाब और हरियाणा में हाल के वर्षों में पुलिस चौकियों और सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर हुए ग्रेनेड हमलों के लिए जिम्मेदार माने जा रहे हैं। इससे पहले भी ह्लढ्ढ ने कई मामलों में इन दोनों के खिलाफ यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम), 1967 के तहत केस दर्ज किए हैं।

गृह मंत्रालय की निगरानी में जारी है जांच

एनआईए इस मामले की जांच गृह मंत्रालय के निर्देश पर कर रही है और इसे देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे के रूप में देखा जा रहा है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि आतंकवादी गतिविधियों के लिए किस स्तर पर नेटवर्क तैयार किया गया था, किन-किन व्यक्तियों को प्रशिक्षण और हथियार मुहैया कराए जा रहे थे, और कौन-कौन इसमें सक्रिय भूमिका निभा रहा था।

सीएम योगी ने सोमवार को किया 'जनता दर्शन', प्रदेश भर से आए लोगों की सुनीं समस्याएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान 60 से अधिक फरियादी आए। मुख्यमंत्री ने एक-एक करके सभी से मुलाकात की, फिर कुशलक्षेम पूछा। हर पीड़ित की शिकायत सुनी और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। सोमवार को सर्वाधिक शिकायतें प्रयागराज से आईं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान ही सरकार का ध्येय है। सरकार हर जरूरतमंदों की जरूरत पर खड़ी है। जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण समेत अनेक मामले आए।

अफसरों को दिया प्रार्थना पत्र, समय से निस्तारण के निर्देश

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए समय से निस्तारण के निर्देश दिए। प्रयागराज से कई शिकायतें आईं, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के लिए अफसरों को निर्देशित किया। पुलिस, खेत की पैमाइश, आवास, चकरोड, खेतों में कब्जा, बिजली कनेक्शन समेत अन्य फरियाद लेकर पीड़ित पहुंचे, जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया।

जनता की सेवा, सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए डबल इंजन की सरकार पूर्णतः दृढ़ संकल्पित है।

बच्चों को दुलारा और दी चॉकलेट

जनता दर्शन में कई पीड़ित परिवार के साथ आए थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बच्चों को दुलारा, उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट भी दी। सीएम योगी ने बच्चों को खूब पढ़ने और उज्ज्वल भविष्य का भी आशीर्वाद दिया।

प्रयागराज से 8, देवरिया से 4, सहारनपुर व बस्ती-फतेहपुर से 3-3 फरियादी आए

सोमवार को 'जनता दर्शन' में 8 फरियादी प्रयागराज से आए। देवरिया जनपद से 4, सहारनपुर, बस्ती-फतेहपुर से 3-3 फरियादी जनता दर्शन में आये। मुरादाबाद, पीलीभीत, अमरोहा, गाजीपुर, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी व भदोही से दो-दो फरियादी शिकायत लेकर मुख्यमंत्री से मिले।

श्री चित्रगुप्त धाम से निकली भव्य शोभायात्रा, प्राण प्रतिष्ठा के साथ हुई प्रतिमाओं की स्थापना

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। श्री चित्रगुप्त धाम मंदिर से मंदिर परिसर में स्थापित किए जाने वाले सभी देवी देवताओं की मूर्तियों के साथ एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जो कि शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस श्री चित्रगुप्त धाम पहुंची। इस यात्रा में रथ पर सवार विभिन्न देवी देवताओं की मूर्तियां जिसमें एकादश मुखी हनुमान जी, श्री राम दरबार, श्री दुर्गा जी, शिव परिवार, बारह ज्योतिर्लिंग, शिवलिंग एवं नंदी महराज की भव्यता देखते बन रही थी। शोभायात्रा में जिले की तमाम सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं शामिल हुईं। जगह-जगह चौक चौराहों पर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया और धार्मिक केंद्रों पर तमाम भक्तों द्वारा आरती उतारी गई। देवी देवताओं से सजे रथ के साथ यह शोभा यात्रा चित्रगुप्त धाम से शाम 5 बजे निकली। यात्रा पर्यावरण पार्क होते हुए एम.जी. चौराहा से डाकखाना चौराहा, शाहगंज चौराहा, हनुमान गढ़ी, चौक घंटाघर से जिला अस्पताल, बस अड्डा, मेहमान रेस्टोरेंट से पुनः पर्यावरण पार्क होते हुए सीताकुण्ड पहुंची वहां से वापस श्री चित्रगुप्त धाम रात्रि साढ़े 9 बजे पहुंची। प्राण प्रतिष्ठा के साथ विगत 5 दिनों से चल रहा अधिवास अनुष्ठान पूर्ण हुआ और मूर्तियों को श्री चित्रगुप्त धाम मंदिर के परिसर में स्थापित किया गया। संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान पंडित रोहित तिवारी की देखरेख में संपन्न हुआ। इस शोभा यात्रा के दौरान रास्ते में जगह जगह विभिन्न संस्थाओं और मानिंद व्यक्तियों द्वारा शोभायात्रा में शामिल भक्तों को उचित जलपान और ठंडे पेय पदार्थ प्रदान किए गए।

हार्ट-अटैक से मौत की बात निकली झूठी, चिकित्सक पर केस दर्ज करने की मांग

सुलतानपुर। हनुमंत हॉस्पिटल में इलाज के दौरान लापरवाही से महिला की मौत हुई थी। सोमवार को पीड़ति के बेटे ने एसपी से मिलकर डॉ. डीबी सिंह पर केस दर्ज करने की मांग की है।

विदित रहे कि कुड़वार थाना क्षेत्र के महराजगंज निवासी शिव कुमारी (65वर्ष) की पित्त की पथरी के ऑपरेशन के लिए परिजनों ने हनुमंत मैटरनिटी एंड ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया था जहां डॉक्टर और स्टॉफ की लापरवाही से महिला की मौत हो गई थी। मृतका के बेटे जितेंद्र कुमार ने एसपी से शिकायत में बताया कि उनकी मां को पेट दर्द की शिकायत थी। भाई अंबरीश उन्हें हनुमंत मैटरनिटी में ले गए। अल्ट्रासाउंड में पित्त की थैली में पथरी की पुष्टि हुई। डॉक्टर ने जांच के बाद 13 मई को शाम 6 बजे ऑपरेशन किया। जितेंद्र के अनुसार, 14 मई की सुबह तक कोई डॉक्टर मरीज को देखने नहीं आया।

'बेटे को सोने दो, जगाओ मत . . .', प्रेमी से मिलकर आई मां ने मासूम को मार डाला, लाश को ससुर के पास लिटाया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के नरवल में प्रेमी के साथ भागने के बाद कुछ दिन पहले घर लौटी महिला ने अपने चार साल के बेटे अनिरुद्ध का गला उसके पहने हुए काले धागे से कस दिया। रविवार रात वारदात के बाद मासूम के शव को ससुर के पास लिटा दिया। पिता बेटे को खाने के लिए जगाने गया तो उसका शव मिला। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि महिला ने हत्या करने की बात स्वीकार की है। प्रतापपुर गांव निवासी सुशील सिंह यादव खेती करते हैं।

सुशील ने बताया कि वह पिता फूल सिंह, पत्नी मनीषा यादव और चार साल के बेटे अनिरुद्ध के साथ रहते थे। रविवार शाम को वह भैंस का दूध निकालने गया था, तब बेटा खेल रहा था। दूध लेकर रात में लौटा तो पत्नी आंगन में बर्तन धो रही थी।

मौके पर जांच के लिए पहुंची पुलिस और ग्रामीण - फोटो : संवाद

घर पहुंचते ही पत्नी ने कहा कि कोल्ड ड्रिंक पीने का मन है, ले आओ जाकर। इस पर उसने पूछा कि बेटा अनिरुद्ध कहां है, तो बोली पिता जी (ससुर) के पास ऊपर लेटा है। उसने कहा, पहले बेटे को दूध पिला दो, भूखा होगा। वह बोली उसे सोने दो मत जगाओ। सुशील नहीं माना और बेटे को दूध पिलाने के लिए लेने ऊपर चला गया। देखा, कि बेटे की आंखें खुली हुई थी और वह मृत अवस्था में पड़ा हुआ था।

पत्नी ने कबूली हत्या की बात

आनन-फानन बेटे को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया। सुशील के शक जताने पर पुलिस ने मनीषा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। हत्या की बात कबूल करने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पहले भी दो बच्चों की हुई है संदिग्ध मौत

परिजनों ने बताया कि डेढ़ साल पहले भी दो साल की बेटी और एक साल के बेटे अनुराग की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हुई है। उस वक्त मनीषा ने बताया था कि बच्चों की मौत कैसे हुई वह जान ही नहीं पाई है। तब सबने सर्दी लगने से मौत होने की बात मान ली थी।

प्रेमी के साथ जाने के बाद 26 दिन पहले लौटी थी घर

सुशील के मुताबिक, उसकी शादी सात साल पहले फतेहपुर के गाजीपुर असोथर निवासी मनीषा से हुई थी। गांव में एक युवक से मनीषा के अवैध संबंध थे। 16 अप्रैल को वह बिना बताए प्रेमी के साथ घर से चली गई थी। काफी खोजबीन के बाद उसका पता चला तो 22 अप्रैल को थाने में समझौता हुआ।

लोगों के समझाने के बाद वह साथ में रहने को तैयार हुई थी। तब से वह घर में रह रही थी। हालांकि उसका चाल चलन ठीक नहीं था। आरोप है कि प्रेमी के साथ मिलकर ही घटना को अंजाम दिया है।

कलियुगी बेटे ने ईंट से कूचकर की पिता की हत्या, बेटा गिरफ्तार

सुलतानपुर। बेटे ने पिता की हत्या कर रिश्ते को शर्मसार किया है। पूरा मामला सुल्तानपुर जिले के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में सामने आया है। बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला जिले के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत केनौरा गांव से जुड़ा हुआ है। जहां पर बीती रात बेटे श्रवण वर्मा ने अपने पिता हृदय राम वर्मा की ईंट से कूच कर हत्या कर दी थी। गंभीर रूप से घायल व गंभीर स्थिति में होने की सूचना परिजन द्वारा पुलिस की सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची है और बेटे श्रवण कुमार वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या के पीछे नशे का आदी होना बेटे का बताया जा रहा है। हालांकि पूरे मामले में सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने मौके पर फोर्स तैनात कर दी है। गैर इरादतन हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस अधिकारी लगातार मामले पर निगरानी बनाए हुए हैं।

सूफी अंबा प्रसाद के छापाखाना पर चस्पा किया फर्जी नोटिस, नगर निगम ने दी पुलिस को तहरीर

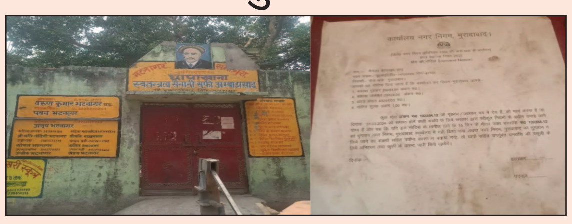

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.सूफी अंबा प्रसाद के छापाखाना पर एक लाख रुपये बकाए में गृहकर का चस्पा नोटिस को लेकर मुद्दा छाया हुआ है। कानून गोयान में स्थित इस छापाखाना के दरवाजे पर चस्पा नोटिस नगर निगम की पड़ताल में फर्जी माना जा रहा है। इस पर किसी अधिकारी के हस्ताक्षर व नोटिस जारी करने का दिनांक भी नहीं है। चस्पा नोटिस का प्रारूप भी नगर निगम द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस से भिन्न है। भटनागर महासभा के अनुसार छापाखाना के हैंडिल पर लाल कपड़ा भी बांधा गया था जो अगले दिन जमीन पर गिरा मिला था। जबकि नगर निगम लाक की सील लगाकर उसे लिखा पढ़ी में लेता है। क्षेत्र की गृहकर राजस्व निरीक्षक प्रतिभा चौहान की ओर से भी कोई नोटिस चस्पा नहीं कराया गया है।

नोटिस पर दी तहरीर

नोटिस पर वर्ष 2023-24 का बकाया 102354.12 रुपये लिखा है जबकि नगर निगम की ओर से नोटिस 2025 तक के बांटे जाने हैं। जिनके डिमांड नोटिस तैयार हो रहे हैं। लेकिन, अभी बांटे भी नहीं गए हैं। नगर निगम अधिकारी इसे शरारती तत्वों की हरकत मान रहे हैं। जिसको लेकर नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल के निर्देश पर कर निर्धारण अधिकारी प्रमोद कुमार की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई है।

नगर निगम अधिकारी भी हैरान

शरारती तत्व कौन हैं? यह नगर निगम अधिकारियों की समझ से बाहर है। भटनागर महासभा के पदाधिकारी करीब दस दिन से इस नोटिस को छापाखाना के दरवाजे पर चस्पा हुए देख रहे हैं। सूफी अंबा प्रसाद के छापाखाना के भीतर अब कोई कमरा या मशीनें भी नहीं हैं। बताते हैं कि सूफी अंबा प्रसाद के ईरान चले जाने के बाद अंग्रेजों ने ही छापाखाना की मशीनें खुर्द बुर्द कर दी थीं। छापाखाना की बाहरी चहारदीवारी ही बची है, अंदर कोई कमरा या अन्य कोई निर्माण नहीं है।

सवा सौ साल पुराना है छापाखाना

करीब सवा सौ साल पुराने छापाखाना के कमरे जर्जर होने के कारण कमरे तोड़कर जगह भी सपाट कर दी गई है। सूफी अंबा प्रसाद अपने छापाखाने से अखबार निकालते थे और अंग्रेजों हुकूमत के जुल्म के खिलाफ लिखते थे। क्रांतिकारी सूफी अंबा प्रसाद को अंग्रेजी हुकूमत ने प्रताड़ित करती थी और उन्हें फांसी की सजा सुनाई थी। जिससे सूफी अंबा प्रसाद ईरान चले गए थे और वहीं पर 1917 में उनका निधन हो गया था। वह विवाहित नहीं थे।

बेबाकी से लिखते थे अंग्रेजों के अत्याचार

अपने देश की आजादी के लिए अखबार में अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ बेबाकी से लिखते थे। हिंदू मुस्लिम एकता के लिए प्रसिद्ध थे। सूफी अंबा प्रसाद का छापाखाना की जगह अब जिस भी हालत में है, उसकी देखरेख भटनागर महासभा ही करती आ रही है।

नगर निगम की ओर से यह नोटिस चस्पा नहीं किया गया है। यह नोटिस फर्जी है। इस पर हस्ताक्षर व दिनांक और हमारे प्रारूप की तरह भी यह नोटिस नहीं है। किसी शरारती तत्व ने यह चस्पा किया है। निगम द्वारा लाल कपड़ा भवन की सील में नहीं बांधा जाता है। लाक की सील लगाकर लिखा पढ़ी में लेते हैं। नगर निगम छवि धूमिल करने की कोशिश की गई है।

– अजीत कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त

कोई भी नोटिस नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर के बिना चस्पा नहीं किया जाता है। किसी शरारती तत्व ने यह फर्जी नोटिस चस्पा किया है। इस पर वर्ष 2023-24 का बकाया दिखाया गया है जबकि नगर निगम 2025 तक के नोटिस जारी करेगा। अभी नोटिस तैयार हो रहे हैं बांटे भी नहीं गए हैं।

– आरती सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी

हमारे पास नोटिस लेकर कोई नहीं आया। केवल छापाखाना के दरवाजे पर चस्पा हुए देखा है। किसी ने लाल कपड़ा पर लपेट दिया था जो अगले दिन जमीन पर गिरा मिला। नगर निगम ने अगर यह नोटिस चस्पा नहीं किया है तो किसकी हरकत है, यह सामने आना चाहिए। छापाखाना की देखरेख भटनागर महासभा कर रही है।

पवन भटनागर, महासचिव, भटनागर महासभा

मेरा घर भी छापाखाना के पास है। पता नहीं यह नोटिस किसने चस्पा किया है। हमारी जानकारी में नहीं है। स्वतंत्रता सेनानी के छापाखाना पर नोटिस चस्पा किसने किया है, इसकी जांच होनी चाहिए।

– मनीष रस्तोगी, क्षेत्रवासी

स्वतंत्रता सेनानी के छापाखाना को गृहकर का नोटिस किस बात का दिया जा रहा है, वहां अब छापाखाना भी नहीं है और न ही कोई रहता है। जो सभी महासभा देखरेख कर रही है तो वह तो छापाखाना की विरासत को जिंदा रखे हुए हैं। यह नोटिस फर्जी या असली यह तो नगर निगम ही जाने।

– इशरत उल्ला खां, उत्तराधिकारी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

देश की आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लिखने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सूफी अंबा प्रसाद हमारे गौरव हैं। उनके छापाखाना पर नोटिस चस्पा करने का मजाक निंदनीय है। भटनागर महासभा को इस संबंध में नगर निगम अधिकारियों से वार्ता करनी चाहिए।

– धवल दीक्षित, उत्तराधिकारी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

महंती को लेकर विवाद दो संतों ने की दावेदारी, तनाव के चलते पुलिस बल तैनात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। जिले के दूबेपुर में स्थित बाबा सहजराम धाम में महंती पद को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। महंत बाबा भरत दास का हार्ट अटैक से निधन हो गया था। सोमवार को उनके 17वें दिन का कार्यक्रम और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। महंती पद के लिए दो संत दावेदारी कर रहे हैं। आश्रम की देखभाल कर रहे जीतू महाराज जनता से समर्थन मांग रहे हैं। वहीं लखनऊ सब्जी मंडी आश्रम के धर्मेंद्र दास जी महाराज भी खुद को यहां का असली वारिस बता रहे हैं। धर्मेंद्र दास का आरोप है कि जीतू महाराज का आश्रम में कोई अधिकार नहीं है और वे जबरन कब्जा जमाए हुए हैं। उन्होंने इस बारे में प्रशासन को सूचित कर दिया है। जीतू महाराज का कहना है कि धर्मेंद्र दास का आश्रम से कोई संबंध नहीं है। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए कई थानों की पुलिस को तैनात किया गया है। फायर विभाग की टीम भी मौके पर मौजूद है। धर्मेंद्र दास ने कहा है कि सोमवार को सिर्फ 17वें दिन का कार्यक्रम ही हो सकता है, अन्य कोई कार्यक्रम अवैध होगा। देश भर से साधु-संत कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं।

हालत बिगड़ने से पहले ही मौके की नजाकत भांपते हुए धर्मेंद्र दास वापस हो लिये। बाहर से आये महंत धर्मेंद्र दास के अचानक आश्रम में पहुंचने पर ग्रामीणों का हुजूम उमड़ने लगा था। गेट पर ही नारे लगने शुरू हो गए। जिसको लेकर तनाव बढ़ता रहा। मौके की नजाकत भांपते हुए धर्मेंद्र दास हुए वापस। बाबा साहब राम आश्रम बंधुआकला में दिवंगत महंत भरत दास के बाद अब नए महंत की भी घोषणा सर्वसम्मति से हो गई है।

'ससुरालवालों ने वसूले 25 लाख रुपये . . .', वीडियो में आपबीती बताकर रोया युवक और फिर कर ली आत्महत्या

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में पत्नी के आत्महत्या करने के बाद ससुराल के लोगों ने दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करा दिया। केस वापस लेने के नाम पर ससुराल के लोगों ने लाखों रुपये वसूल लिए। डिमांड खत्म न होने से परेशान युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी। मरने से पहले युवक ने फेसबुक पर एक वीडियो भी अपलोड किया, जिसमें उसने अपने ससुरालवों पर आरोप लगाए और अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है।

अल्हागंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला बगिया निवासी 28 वर्षीय सुधीर राठौर ने घर पर अकेला रहता था। 2019 में उसकी शादी हुई थी। दस फरवरी 2023 को पत्नी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। रविवार रात करीब आठ बजे सुधीर राठौर ने फेसबुक पर एक वीडियो अपलोड किया। इसमें सुधीर कह रहा है कि वह अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा है। उसकी पत्नी की मौत के बाद ससुराल वालों ने उसके खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी।

25 लाख रुपये वसूल चुके हैं ससुरालवाले

सुधीर के मुताबिक केस वापस लेने और राजीनामे के नाम पर उसकी सास, साले, साढ़ू आदि उससे 25 लाख रुपये ले चुके हैं। अब भी 15 लाख रुपये मांग रहे हैं। केस के गवाह भी रुपये मांग रहे हैं। इस वजह से वह बहुत अवसाद में है, जिसके चलते वह अपनी जान दे रहा है। उसकी मौत के जिम्मेदार उसके ससुराल वाले हैं। इतना कहकर वह रो पड़ा।

सुधीर राठौर की तीन वर्ष की बेटी शिवांशी परिवार के साथ रहती है। उसकी मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि फरवरी 2023 में युवक पर दहेज हत्या का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें वह जेल भी जा चुका था। आत्महत्या और वीडियो के संबंध में जांच कर आगे कार्रवाई की जाएगी।

कैसे अकूत संपत्ति का मालिक बना 10वीं पास विजेंद्र ? 100 से ज्यादा केस हैं दर्ज ; भाजपा में शामिल होने को कर रहा था मारामारी

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। चौधरी विजेंद्र सिंह, मोनाड यूनिवर्सिटी का चेयरमैन, अकूत संपत्ति का मालिक, राजनीतिज्ञ व सामाजिक कार्यकर्ता। यह वह परिचय है जिसको वह चेहरे पर दर्प लाकर बयां करता था। यह उसका समाज में दिखावे के जीवन का ओरा था। इस कथित छवि को बचाने के लिए वह पांच साल से राजनीतिक संरक्षण पाने को मारामारी कर रहा था।

बहुचर्चित बाइकबोट घोटाले में भी आ चुका है नाम

कक्षा 10 पास और जालसाजी-धोखाधड़ी के 100 से अधिक मामलों में न्यायालय का सामना कर रहे विजेंद्र को सत्ता का आश्रय चाहिए था। जिससे वह किसी बड़ी कार्रवाई से बच सके। हालांकि इससे पहले ही एसटीएफ ने बड़े फर्जीवाड़े का पर्दाफाश कर दिया। इसके साथ ही विजेंद्र का नया ठिकाना गाजियाबाद की डासना जेल हो गया है। मेरठ के विजेंद्र सिंह का नाम बहुचर्चित बाइकबोट घोटाले में भी सामने आ चुका है।

लोकदल में हासिल किया बड़ा पद

कोविड के जिस दौर में लोग जिंदगी बचाने को मारे-मारे फिर रहे थे, तभी विजेंद्र सिंह का कारोबार विकास कर रहा था। उसी दौर में उसने 2022 में मोनाड यूनिवर्सिटी को खरीद लिया। इसके साथ ही उसको राजनीतिक संरक्षण की जरूरत पड़ने लगी थी, जिससे वह किसी बड़ी कार्रवाई से बच सके।

वह भाजपा में शामिल होना चाहता था, लेकिन बाइकबोट घोटाले के बाद उसको एंट्री नहीं मिल सकी। इसके बाद 2022 में उसने सुनील सिंह के साथ लोकदल में बड़ा पद हांसिल कर लिया।

बसपा से लड़ चुका चुनाव

कई रैली और प्रदर्शन करने के बावजूद जब मजबूत मुकाम नहीं मिल सका, तो उसने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का दामन थाम लिया। वह बसपा के टिकट पर बिजनौर से 2024 में लोकसभा का चुनाव लड़ा, जिसमें पराजय हाथ लगी। उसके बाद उसने फिर से भाजपा में प्रवेश करने का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय जाट व ठाकुर नेताओं के विरोध के चलते कामयाब नहीं हो सका।

रालोद के भाजपा के साथ आने से उसको नई उम्मीद दिखने लगी। वह रालोद के साथ जुड़कर सत्ता पक्ष का करीबी बने हुए रहना चाहता था। हालांकि उससे पहले ही पुलिस द्वारा उसको गिरफ्तार कर लिया गया और वह कामयाब नहीं हुआ।

धोखाधड़ी के कई मामलों का पहले ही कर रहा है सामना

लोकसभा चुनाव में दी गई जानकारी में विजेंद्र सिंह ने बताया कि वह कक्षा 10 पास है।

उस पर धोखाधड़ी करने की धारा 420, वसीयत में जालसाजी करने की धारा 467, जालसाजी करने की धारा 468, बैंक आदि मामलों में धोखाधड़ी की धारा 409, साक्ष्य मिटाने की धारा 201, फर्जी दस्तावेज बनाने की धारा 471 और आपराधिक षड़यंत्र रचने की धारा 120 बी के तहत अभियोग दर्ज हैं।

एसटीएफ के अनुसार विजेंद्र सिंह पर विभिन्न जिलों में 100 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह इनका गाजियाबाद, दिल्ली और गौतमबुद्धनगर के न्यायालयों में सामना कर रहा है।

विजेंद्र सिंह ने अपने शपथपत्र में जानकारी दी थी कि 2024 में उसके पास 28 करोड़ की संपत्ति थी, जबकि 230 करोड़ की देनदारी थी। उसकी 2022-23 में वार्षिक आय मात्र 15 लाख रुपये ही थी।

सोनीपत के गैंग से हो सकते हैं संबंध

विजेंद्र सिंह के संबंध सोनीपत में फर्जी डिग्री बनाने और परीक्षा पास कराने वाले गैंग से भी हो सकते हैं। उसको दिल्ली पुलिस का सिपाही चलाता था। इस मामले का पर्दाफास सोनीपत एसटीएफ ने किया था। इसमें 60 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

वहीं फर्जी डिग्री से नौकरी पाने वाले लेखपाल व शिक्षक भी गिरफ्तार किए गए थे। सूत्रों का कहना है कि मोनाड यूनिवर्सिटी से डिग्री तैयार करके हरियाणा भेजी जाती थीं। वहां पर इस मामले को विजेंद्र का बेटा संदीप चलाता था।

लखनऊ में साइबर अपराधों की रोकथाम को लेकर पुलिस कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। डिजिटल तकनीक के तेजी से प्रसार के साथ ही साइबर अपराधों में बढ़ोतरी को देखते हुए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। यह आयोजन "पुलिस पर्सनल इन सॉफ्ट स्किल्स" अभियान के अंतर्गत 18 मई को पुलिस लाइन स्थित संगोष्ठी सदन में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को साइबर अपराधों की पहचान, जांच और उनसे निपटने की प्रक्रिया में दक्ष बनाना था, ताकि पीड़ितों को तेज़ और प्रभावी सहायता उपलब्ध कराई जा सके।पुलिस आयुक्त लखनऊ और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में सभी थानों के साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात चार-चार पुलिसकर्मियों को

प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों की विशेषज्ञ टीम साइबर क्राइम हेडक्वार्टर, सिग्नेचर बिल्डिंग से आई थी, जिसका नेतृत्व पुलिस उपमहानिरीक्षक पवन कुमार ने किया। उनके साथ उपनिरीक्षक खुशबू त्रिपाठी, सौरभ त्रिपाठी, अनूप यादव, हेड कॉन्स्टेबल अनूप यादव, अंकित भूषण और आरक्षी नीरज मौर्या शामिल थे। इसके अतिरिक्त, साइबर सेल कमिश्नरेट लखनऊ से निरीक्षक रत्नेश सिंह, उपनिरीक्षक राकेश मिश्रा, सैय्यद हसन आदिल, तथा आरक्षी अमित तिवारी, गुलशन माबी और जय प्रकाश यादव ने भी प्रशिक्षण प्रक्रिया में सहयोग दिया।

कार्यशाला में पुलिसकर्मियों को विभिन्न साइबर पोर्टलों के इस्तेमाल की विस्तृत जानकारी दी गई। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर शिकायत दर्ज करने, केस ट्रैकिंग और डेटा एनालिटिक्स टूल्स के प्रयोग, साइबर पुलिस पोर्टल पर ऑनलाइन एफआईआर और फॉरेंसिक रिपोर्ट तक पहुंच, JMIS पोर्टल द्वारा मोबाइल डिवाइस की IMEI ट्रैकिंग, प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से साइबर ठगी से जुड़े वित्तीय लेन-देन की निगरानी और समन्वय पोर्टल के जरिये बैंकों, टेलीकॉम कंपनियों और पुलिस के बीच डेटा साझा करने की प्रक्रिया को बारीकी से समझाया गया।इसके अतिरिक्त, पुलिसकर्मियों को सॉफ्ट स्किल्स पर भी प्रशिक्षित किया गया ताकि वे साइबर अपराधों के पीड़ितों से संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ संवाद कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान केस स्टडीज भी प्रस्तुत की गईं, जैसे एक बुजुर्ग महिला के साथ हुई फोन ठगी की रिपोर्टिंग और वित्तीय रिकवरी की प्रक्रिया, या सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग के मामले में पोर्टल्स के जरिए की गई कार्रवाई।प्रशिक्षण का व्यावहारिक पक्ष भी मजबूत था। प्रतिभागियों को सिम स्वैपिंग, फर्जी एप्लिकेशन, फिशिंग लिंक जैसी गतिविधियों की पहचान कराना सिखाया गया और मोबाइल फॉरेंसिक टूल्स, जैसे कि Cellebrite के माध्यम से डेटा की जांच का डेमो भी दिया गया। एक लाइव डेमो में फर्जी वेबसाइट को ब्लॉक करने की प्रक्रिया भी समझाई गई, जिससे पुलिसकर्मी वास्तविक परिस्थितियों में इन तकनीकों का प्रयोग कर सकें।पुलिस आयुक्त लखनऊ ने इस अवसर पर कहा कि डिजिटल अपराधों का बढ़ता प्रभाव गंभीर चिंता का विषय है और ऐसे में थाना स्तर पर तैनात साइबर हेल्प डेस्क कर्मियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि पुलिसकर्मी साइबर अपराध से जुड़े नए-नए तरीकों से अवगत रहें और उनसे निपटने में दक्ष हों।उन्होंने यह भी बताया कि इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए पुलिस विभाग, साइबर विशेषज्ञों, शिक्षण संस्थानों और नागरिक समाज के साथ मिलकर काम करेगा। उनका मानना है कि जब हेल्प डेस्क पर तैनात कर्मियों की कार्यकुशलता बढ़ेगी तो पीड़ितों को त्वरित न्याय मिल सकेगा और पुलिस-जनता के बीच विश्वास भी मजबूत होगा।यह कार्यशाला साइबर अपराधों से लड़ने की दिशा में लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट का एक ठोस और व्यावहारिक प्रयास साबित हुई, जो आने वाले समय में शहर की साइबर सुरक्षा को और मजबूत बनाने में सहायक होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई के परिजन, मिला न्याय का आश्वासन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पत्रकार राघवेन्द्र बाजपेई के परिजनों ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनकी बातों को सुना और न्याय का आश्वासन दिया।

बता दें कि पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की 8 मार्च को गोली मारकर हेमपुर ओवरब्रिज पर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस एक पुजारी व दो अन्य को जेल भेज चुकी है। परिजन लगातार सही ढंग से जांच की बात कह रहे हैं। इसके साथ आर्थिक सहायता व सरकारी नौकरी की भी मांग कर रहे हैं।

बिजली संकट पर अखिलेश यादव का हमला, बोले– भाजपा सरकार ने व्यवस्था बर्बाद कर दी, 8 साल में नहीं बढ़ा एक यूनिट उत्पादन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश में बिजली संकट को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बीच आमजन बिजली कटौती और ट्रिपलिंग से बेहाल हैं, जबकि सरकार पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के बाद बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। समय से मेंटीनेंस न होने की वजह से ट्रांसफार्मर फुंकने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से 24 घंटे बिजली देने के दावे झूठे साबित हुए हैं। आज स्थिति यह है कि बड़े शहरों में भी निर्बाध बिजली आपूर्ति नहीं हो पा रही है, जबकि छोटे शहरों, कस्बों और

गांवों में हालात और भी बदतर हैं। पूरा रोस्टर केवल कागजों पर ही चल रहा है।पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा के आठ साल के कार्यकाल में प्रदेश में बिजली का एक भी यूनिट उत्पादन नहीं बढ़ा। उन्होंने कहा कि जितनी बिजली आज जनता को मिल रही है, वह समाजवादी सरकार के कार्यकाल में लगाए गए बिजलीघरों से आ रही है। अखिलेश यादव ने उदाहरण देते हुए कहा कि एटा और कानपुर देहात समेत कई जिलों में समाजवादी सरकार ने पावर प्लांट लगाए थे, जिनके कार्यों में भी भाजपा सरकार ने लेटलतीफी की।उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने प्रदेश की विद्युत आपूर्ति को बढ़ाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई थी। ग्रामीण विद्युतीकरण और अंडरग्राउंड केबल सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त बजट भी जारी किया गया था। ट्रांसफार्मर फुंकने की स्थिति में तत्काल मरम्मत के लिए भी विशेष निर्देश दिए गए थे, लेकिन भाजपा सरकार अब न केवल इन योजनाओं को बनाए रखने में असफल है, बल्कि बिजली व्यवस्था को निजी कंपनियों के हाथों सौंपने की तैयारी कर रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की अकर्मण्यता का खामियाजा प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ रहा है। एक तरफ उन्हें बिजली नहीं मिल रही, दूसरी ओर बढ़े हुए बिलों का झटका लग रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने न तो उत्पादन में काम किया, न पारेषण व्यवस्था बेहतर की और न ही वितरण प्रणाली को सुदृढ़ किया। समाजवादी सरकार की योजनाएं ही आज भी बिजली व्यवस्था को संभाले हुए हैं, लेकिन उन्हें भी सरकार संभाल नहीं पा रही है।अखिलेश यादव ने अंत में कहा कि जनता अब इस सरकार के झूठे वादों और विफलताओं को समझ चुकी है, और समय आने पर इसका जवाब देगी।

चोरी के आरोप में पांच अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस ने किराने की दुकान से चोरी का प्रयास व क्लीनिक से सामान चोरी कर लेने जाने वाले पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास चोरी का सामान बरामद करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार रविवार/सोमवार की रात कस्बा गोसाईगंज स्थित लाल किराना स्टोर एवं ग्राम रसूलपुर टिकनियामऊ में स्थित सुविधा क्लीनिक से अज्ञात चोरों द्वारा शटर काटकर समान चोरी कर लिया गया था।जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस टीम द्वारा चोरों की तलाश की जा रही थी इसी बीच कोड़रा गांव के पास मारूति सुजुकी शोरूम के पास स्थित प्लाटिंग में एक ईको वैन खड़ी दिखायी दी।जिसे चेक करने पर उसमें पांच लोग बैठे मिले तथा वैन की तलाशी ली गई तो

उसमें किराने की दुकान से चोरी गया सामान तथा क्लीनिक से चोरी किया गया एक इन्वर्टर एक बड़ी बैटरी व एक एलईडी मानीटर बरामद हुआ।गाड़ी से बरामद हुए सामान के बारे में पूछने पर अभियुक्त गण कोई सन्तोषजनक जवाब नहीं दे सके और न ही कोई बिल उपलब्ध करा सके।जिसपर पुलिस को शक होने पर उनसे कड़ाई से पूछताछ की गई तो अभियुक्तगणों दुकान व क्लिनिक से चोरी किये जाने की बात स्वीकार की।पकड़े गए आरोपितों ने पूंछताछ में अपने नाम अंकुश यादव

सूरज यादव विशाल यादव व मनीष निवासीगण बंथरा व जय सिंह गौतम मूल निवासी थाना सोहरामऊ जनपद उन्नाव हाल पता गढ़ी चिनौटी थाना बन्थरा जनपद लखनऊ बताया। इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पकड़े गए आरोपितों के पास से ईको वैन व चोरी का समान बरामद करने के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

मेगा योग शिविर ने उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूकता बढ़ाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। नागरिकों के समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, 17 मई को मनाए जाने वाले विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर शहर में एक मैक्स हॉस्पिटल के प्रांगण में मेगा योग शिविर का आयोजन किया गया। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल व खुशी फॉउंडेशन द्वारा पाटंजलि योग समिति के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में शहर भर से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

योग आचार्य पीयूष कांत श्रीवास्तव के नेतृत्व में योग सत्र सुबह 5:30 बजे से 7 बजे तक चला । शिविर का उद्देश्य उच्च रक्तचाप के बारे में जागरूकता बढ़ाना और योग और जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों ने रक्तचाप और बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) जांच सहित कई अन्य निःशुल्क स्वास्थ्य जांचों का लाभ उठाया। मैक्स अस्पताल के कार्डियोलॉजी निदेशक डॉ. अम्बुकेश्वर सिंह ने उच्च रक्तचाप की जांच के बारे में टिप्स दिए। वहीं आयुष चिकित्सक डॉ.अवधेश द्विवेदी ने योग से होने वाले लाभों के विषय मे बताया

आरपीआई (आठवले) ने उत्तर प्रदेश में 9 नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की, जिला पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुटी पार्टी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार को लेकर तेजी से सक्रिय है। पार्टी ने हाल ही में राज्यभर के विभिन्न जिलों से 9 नए पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने बताया कि आरपीआई आगामी जिला पंचायत चुनावों में पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी।पवन भाई गुप्ता ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना है। इसके लिए प्रदेशभर में जिला, तहसील और ब्लॉक स्तर पर संगठन का ढांचा खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि संविधान और सामाजिक न्याय में विश्वास रखने वाला हर वर्ग पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर संगठन से जुड़ रहा है।नई नियुक्तियों के तहत सहारनपुर के नवीन गर्ग को व्यापार प्रकोष्ठ का मंडल प्रभारी (सहारनपुर मंडल) बनाया गया है। वहीं भदोही से चन्द्रमोहन को जिलाध्यक्ष और स्वतंत्र कुमार को जिला उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। मिर्जापुर में मोहित कुमार को युवा प्रकोष्ठ का जिला प्रभारी बनाया गया है। लखनऊ के सरोजनीनगर तहसील में राहुल कुमार तिवारी को तहसील अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।कानपुर में बलराम को महानगर सचिव, जबकि लखनऊ महानगर में अमन खान को सचिव तथा आरिश हसन को फ़ैजुल्लागंज-द्वितीय वार्ड अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है। साथ ही संजय कुमार सिंह को कासगंज का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इन नियुक्तियों से संगठन को ज़मीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी और आगामी चुनावों में इसका सकारात्मक असर दिखेगा।

मंत्री असीम अरुण ने पकड़ा 5 लाख का घोटाला, समाज कल्याण अधिकारी व अधीक्षक निलंबित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण रविवार को बाराबंकी के रामनगर पीजी कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कॉलेज परिसर में स्थित समाज कल्याण विभाग के छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ₹5 लाख की सरकारी धनराशि से किए गए रंग-रोगन और रखरखाव कार्य में घोटाला सामने आया। अनियमितता पाते ही मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए समाज कल्याण अधिकारी और छात्रावास अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही मामले की जांच डिप्टी डायरेक्टर, समाज कल्याण विभाग अयोध्या को सौंपी गई है। मंत्री असीम अरुण ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जब खर्च का विवरण मांगा गया तो जिम्मेदार अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। ₹5 लाख की धनराशि कहां खर्च हुई, इसका ठोस प्रमाण भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। अधिकारी केवल बिजली के तार और मामूली काम दिखाते रहे, जिससे घोटाले की पुष्टि होती है।

पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार छात्रावासों के कायाकल्प के लिए भरपूर धनराशि दे रही है ताकि छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। लेकिन यदि कोई अधिकारी इस सरकारी धन का दुरुपयोग करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया कि छात्रावासों के लिए आगामी दिनों में ₹10 लाख की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, लेकिन पूर्व में दी गई राशि की रिकवरी भी सुनिश्चित की जाए।

लखनऊ के गोमतीनगर में 25 साल पुराने आपराधिक मामले में तीन वारंटी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के गोमतीनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 25 साल पुराने मामले में फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया है। ये तीनों अभियुक्त न्यायालय से निर्गत गैर जमानती वारंट (NBW) के बावजूद लंबे समय से फरार चल रहे थे। सोमवार को पुलिस ने इन्हें उनके आवास से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया।यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के निर्देश पर चलाए जा रहे वांछित व वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के तहत की गई। इस अभियान की निगरानी पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी और सहायक पुलिस आयुक्त गोमतीनगर द्वारा की गई, जबकि कार्रवाई का नेतृत्व थाना गोमतीनगर प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश चन्द्र तिवारी ने किया।गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में रमेश चन्द्र रावत (56 वर्ष), रामकुमार (55 वर्ष) और प्रकाश रावत (47 वर्ष) शामिल हैं। तीनों गोमतीनगर के विनीतखंड स्थित तिकोना पार्क के निवासी हैं। इन सभी के खिलाफ थाना गोमतीनगर में वर्ष 1999 में दर्ज मुकदमा संख्या 54/1999 में भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (दंगा), 148 (घातक हथियारों से लैस होकर दंगा), 328 (विष देने की कोशिश), 506 (आपराधिक धमकी) और 354 (स्त्री की लज्जा भंग) के तहत गंभीर आरोप दर्ज हैं।इन अभियुक्तों के न्यायालय में उपस्थित न होने पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लखनऊ द्वारा उनके विरुद्ध NBW जारी किया गया था। लंबे समय से फरार इन अभियुक्तों को गोमतीनगर थाना पुलिस ने 19 मई को उनके घर से गिरफ्तार कर विधिक औपचारिकताएं पूरी करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया।

लखनऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 5 .5 किलो गांजा के साथ दो शातिर तस्कर गिरफ्तार, उड़ीसा से लाकर लखनऊ में करते थे सप्लाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी पर शिकंजा कसते हुए पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की अपराध शाखा एवं मड़ियांव थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार रात एक बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने दो शातिर गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5.500 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार अभियुक्त मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और लखनऊ में स्क्रैप व्यापारी के रूप में रहकर गांजे की तस्करी कर रहे थे।मामला मड़ियांव थाना क्षेत्र का है, जहां 18 मई की रात पुलिस टीम रात्रि गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग में जुटी थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि इंजीनियरिंग कॉलेज से मड़ियांव की ओर जाने वाले पुल के पास दो युवक गांजा बेचने की फिराक में खड़े हैं। एक युवक के पास काले रंग का बैग था। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते

हुए पुलिस ने दोनों संदिग्धों को मौके से दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 5.5 किलो गांजा बरामद हुआ।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान संतोष पटेल (उम्र लगभग 40 वर्ष), निवासी ग्राम कठार, जिला पश्चिमी चंपारण, बिहार और परमेंद्र (उम्र 34 वर्ष), निवासी ग्राम पैगा, जिला छपरा, बिहार के रूप में हुई है। दोनों वर्तमान में लखनऊ के थाना चिनहट अंतर्गत कंचनपुरी मटियारी क्षेत्र में रह रहे थे और स्क्रैप के व्यापार की आड़ में गांजा तस्करी का धंधा कर रहे थे।पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे उड़ीसा से सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर लखनऊ लाते हैं और यहां अलग-अलग इलाकों में ऊंचे दामों पर बेचते हैं, जिससे उन्हें कम समय में अधिक मुनाफा होता है। अभियुक्तों के विरुद्ध थाना मड़ियांव पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। इनके आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य थानों और जनपदों से जुटाई जा रही है।गिरफ्तारी और बरामदगी के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं मानवाधिकार आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई में मड़ियांव थाना व अपराध शाखा की संयुक्त टीमों ने सम्मिलित रूप से कार्य किया।

पुलिस टीम में शामिल रहे अधिकारी

इस पूरी कार्रवाई को सफल बनाने में उप निरीक्षक आलोक कुमार चौधरी, सत्येंद्र कुमार, विकास सिंह, जोशी रघुवंशी, कांस्टेबल दिग्विजय यादव, अफसर अली के साथ-साथ अपराध शाखा से उप निरीक्षक आशुतोष पांडेय, प्रकाश सिंह, शुभम पराशर, मोहम्मद असलम और कई हेड कांस्टेबलों व कांस्टेबलों की अहम भूमिका रही।लखनऊ पुलिस की यह कार्रवाई न केवल शहर में मादक पदार्थों की आपूर्ति पर प्रहार है, बल्कि यह संदेश भी है कि नशे के कारोबार में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का कहना है कि आगे भी ऐसे तस्करों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

लखनऊ बस हादसा : 5 की मौत के मामले में फरार चालक शंकर यादव गिरफ्तार, पुलिस ने बिहार से पकड़ा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के हरख गढ़ी अंडरपास के पास 15 मई को हुए दर्दनाक बस हादसे के मुख्य आरोपी बस चालक शंकर यादव को लखनऊ पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में दो मासूम बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी, जबकि यात्रियों का सारा सामान जलकर खाक हो गया था। घटना के बाद से चालक फरार था और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई थीं।

घटना की सूचना पीड़ित रामबालक महतो ने पुलिस को दी थी, जो अपनी पत्नी गुड्डी कुमारी, 4 वर्षीय बेटे देवराज और 2 वर्षीय बेटी साक्षी कुमारी के साथ बस संख्या UP 17 AT 6372 से मुजफ्फरपुर से करनाल जा रहे थे। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, बस में पहले से ही धुआं उठ रहा था, लेकिन चालक और परिचालक ने इसे नजरअंदाज कर दिया। बाद में जब बस में आग लगी, तो चालक और परिचालक घायलों को छोड़कर मौके से फरार हो गए, जिससे बचाव कार्य बुरी तरह प्रभावित हुआ और जानें नहीं बचाई जा सकीं।बस में सवार अन्य यात्री अशोक कुमार महतो की पत्नी लखी देवी (60 वर्ष) और पुत्री सोनी कुमारी (26 वर्ष) की भी मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक अज्ञात व्यक्ति की भी जलकर मौत हो गई थी। चश्मदीदों के अनुसार, बस में 60 यात्रियों की क्षमता थी लेकिन उसमें करीब 100 लोग सवार थे।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के थाना मोहनलालगंज में इस मामले में मुकदमा संख्या 164/25 के अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 181, 105, 125(a), 125(b) और 324(4) के तहत केस दर्ज किया गया था।

रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बना स्मार्ट डिवाइसेज

स्मार्ट डिवाइसेज की चमक ने हमारे जीवन को नई रोशनी से नहला दिया है। गूगल होम्स, एलेक्सा और सिरी जैसे यंत्र घरों में नहीं, बल्कि हमारे दिलों में बस गए हैं। एक आवाज के इशारे पर ये हमारे लिए गीत गाते हैं, खाना बनाने की विधियां सुझाते हैं और यहां तक कि हमारी दिनचर्या को संवारते हैं। मगर इस तकनीकी जादू की चकाचौंध में एक गहरा सवाल छिपा है, जो हमारे मन के कोनों को झकझोरता है-क्या ये यंत्र, जो हमारी जिंदगी को सरल बनाते हैं, हमारे मानसिक स्वास्थ्य को चुपके से प्रभावित कर रहे हैं? यह प्रश्न केवल एक विचार नहीं, बल्कि हमारे युग की सबसे जरूरी और अनछुई बहस का आह्वान है।

आज स्मार्ट डिवाइसेज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। ये यंत्र तुरंत जानकारी देते हैं, घरेलू कार्य को स्वचालित करते हैं, और हमें मनोरंजन के अनिगनत रास्ते खोलते हैं। मगर क्या हमने कभी सोचा कि इनके निरंतर उपयोग का हमारे मन पर क्या असर पड़ रहा है? एक ओर, ये डिवाइसेज तनाव से राहत दे सकते हैं। जब हम अकेलेपन में डूबे होते हैं और किसी से बात करने का मन नहीं करता, तो हम अपने स्मार्ट स्पीकर से संवाद करते हैं। ये उपकरण हमें तुरंत जवाब देते हैं, जिससे हमें क्षणिक सुकून मिलता है। कुछ अध्ययनों का दावा है कि ऐसे यंत्रों से बातचीत एकाकीपन को कम कर सकती है, खासकर उन लोगों में जो सामाजिक रूप से कटे हुए हैं।

मगर क्या यह सुकून सच्चा है? इन डिवाइसेज के साथ संवाद करते समय हम एक कृत्रिम भावनात्मक रिश्ता जोड़ लेते हैं। हम उन्हें केवल मशीन नहीं, बल्कि एक सहायक या साथी मानने लगते हैं। यह रिश्ता हमें तात्कालिक राहत देता है, मगर लंबे समय में यह हमें वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर ले जाता है। हम दोस्तों या परिवार से बात करने के बजाय अपने स्मार्ट डिवाइस से सवाल पूछना ज्यादा आसान समझते हैं। यह प्रवृत्ति सामाजिक दूरी को बढ़ाती है और एकाकीपन को और गहरा करती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि मानवीय संपर्क-चाहे वह आमने-सामने हो या दूरभाष पर-हमारे मानसिक कल्याण की रीढ़ है।

स्मार्ट डिवाइसेज, चाहे कितने भी बुद्धिमान हों, इस संपर्क की गहराई और भावनात्मक तृप्ति नहीं दे सकते। इसके साथ ही, स्मार्ट डिवाइसेज का अत्यधिक उपयोग हमारी रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को कमजोर कर सकता है। जब हर सवाल का जवाब एक आवाज के आदेश पर उपलब्ध हो, तो हम खुद सोचने और समस्याएं हल करने की कला भूलने लगते हैं। यह खासकर बच्चों और युवाओं के लिए खतरनाक है, जिनका मस्तिष्क अभी विकसित हो रहा है। यदि वे हर जानकारी के लिए स्मार्ट डिवाइसेज पर निर्भर रहेंगे, तो उनकी संज्ञानात्मक क्षमताएं सिकुड़ सकती हैं। उदाहरण के लिए, पहले लोग नक्शे पढ़कर रास्ता ढूंढते थे, जिससे उनकी स्थानिक बुद्धि पुष्ट होती थी।

आज हम जीपीएस और स्मार्ट डिवाइसेज के भरोसे हैं, जिससे यह क्षमता धीरे-धीरे लुप्त हो रही है। स्मार्ट डिवाइसेज हमारी गोपनीयता को भी खतरे में डालते हैं, जो हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर अप्रत्यक्ष रूप से असर डालता है। ये यंत्र हमारी बातचीत को रिकॉर्ड करते हैं और हमारी रु चियों का विश्लेषण करते हैं। कई लोगों को यह डर सताता है कि उनकी निजी जानकारी गलत हाथों में पड़ सकती है। यह चिंता तनाव और अविश्वास को जन्म देती है, जो हमारे मन की शांति को भंग करती है। हालांकि कंपनियां डेटा सुरक्षा का दावा करती हैं, मगर डेटा उल्लंघन की घटनाएं इस विश्वास को कमजोर करती हैं। दूसरी ओर, स्मार्ट डिवाइसेज कुछ मामलों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी हो सकते हैं। कई स्मार्ट स्पीकर्स में ध्यान और माइंडफुलनेस के लिए गाइडेड सत्र उपलब्ध हैं, जो तनाव प्रबंधन और नींद में सुधार में सहायक हैं। स्मार्ट डिवाइसेज़ का प्रभाव हमारी जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। यदि हम इनका उपयोग जागरूकता और संयम के साथ करें, तो ये हमारे जीवन को समृद्ध बना सकते हैं मगर अगर हम इन पर आंख मूंदकर निर्भर हो जाएं, तो ये हमारी भावनात्मक और संज्ञानात्मक शक्तियों को कमजोर कर सकते हैं। हमें यह समझना होगा कि तकनीक हमारी सेवक है, न कि हमारी स्वामिनी। अपने मानसिक कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए, हमें वास्तविक दुनिया से जुड़े रहना होगा-चाहे वह प्रकृति की गोद में समय बिताना हो, अपनों से दिल की बातें साझा करना हो, या स्वतंत्र रूप से चिंतन करना हो। स्मार्ट डिवाइसेज के साथ हमारा रिश्ता एक नाजुक डोर पर टिका है-यह हमें सशक्त बना सकता है, मगर लापरवाही बरती तो हमारे मन की शांति को छीन भी सकता है। हमें हर कदम पर खुद से पूछना होगाः क्या ये यंत्र हमारी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, या हमें एक कृत्रिम दुनिया में कैद कर रहे हैं?

सैन्य टकराव रुकने को किस तरह देखा जाए?

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले में धर्म पूछ कर मारे गए 25 एवं एक अन्य की हत्या के बाद अतीत का चरित्र त्याग कर पाक सीमा में स्थित नौ सभी महत्वपूर्ण आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त किया और तत्काल यही उद्देश्य था।

अवधेश कुमार

भारत-पाकिस्तान के बीच सैनिक संघर्ष रु कने पर हम देश की प्रतिक्रिया देखें तो बड़ा वर्ग, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मोदी सरकार और भाजपा के समर्थक कार्यकर्ता शामिल हैं नाखुश दिखाई देते हैं।

इन्हें लगता है कि भारत के पास पाकिस्तान को धूल चटाकर, ऐसा पंगु बना देने का अवसर था जिससे वह लंबे समय तक भारत को घाव देने की सोचे भी नहीं। दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जिन्हें लगता है कि भारत इस समय लंबे युद्ध कर पाकिस्तान को पराजित करने की लड़ाई नहीं लड़ रहा था। इसलिए तत्काल लंबा खींचना उचित नहीं था होता। प्रश्न है कि सैन्य टकराव रु कने को किस तरह देखा जाए?

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले में धर्म पूछ कर मारे गए 25 एवं एक अन्य की हत्या के बाद अतीत का चरित्र त्याग कर पाक सीमा में स्थित नौ सभी महत्त्वपूर्ण आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त किया और तत्काल यही उद्देश्य था। इस तरह भारत ने सीमा पार आतंकवाद के विरु द्ध बदले हुए चरित्र वाले राष्ट्र का प्रमाण पेश किया। जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्वीट आया कि लंबी बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने सीजफायर यानी युद्धविराम स्वीकार किया, टीवी चैनलों पर बैठे पूर्व सैनिकों और विशेषज्ञों को भी हैरत हुआ। उसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रुबियो का ट्वीट आ गया जिससे जानकारी मिली कि उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स लगातार दोनों देशों से बातचीत कर रहे थे। लेकिन भारत ने 5 बजे विदेश सचिव विक्रम मिश्री के माध्यम से इसकी घोषणा करवाई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसके लिए स्टॉपेज आफ फायरिंग एंड मिलट्री एक्शन यानी गोलाबारी तथा सैन्य कार्रवाई के रुकने पर सहमति की बात की। भारत ने सीजफायर या युद्धविराम शब्द प्रयोग नहीं किया। यह शब्द पहले अमेरिका की ओर से आया और पाकिस्तान ने उपयोग किया। पाकिस्तान के साथ हमारा युद्धविराम समझौता पहले से है जिसे वह तोड़ रहा था। चाहे आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त करना हो या पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई से उत्तर; देश और विश्व को दी जाने वाली जानकारी में नये रूप में भारत सामने आया है।

11 मई को सेना के तीनों अंगों के डीजीएमओ ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट कर दिया कि अभी हम युद्ध की स्थिति में हैं और पूरी जानकारी देना उचित नहीं होगा। इसका अर्थ हुआ कि सेना अभी जहां जैसे थी

वैसे रहेगी। पाकिस्तान ने आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त करने को अपने पर हमला मानकर कार्रवाई की थी और भारत को उसका उत्तर देना पड़ा। भारत दीर्घकालीन युद्ध की सोच से पाकिस्तान की सीमा में आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त करने नहीं गया था। देश में वातावरण इस कारण बना क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने जैसा पराक्रम दिखाया है उसको तार्किक परिणति या निर्णायक अवस्था में ले जाने की सामूहिक अपेक्षा पैदा हो गई। हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के पहले किसी ने नहीं कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर के लिए हमला करिए या पाकिस्तान पर हमला करिए।

जो विपक्षी दल आतंकवादी हमले पर सीमा पार करने से बचते रहे क्योंकि पाकिस्तान की प्रतिक्रियाओं से डरते थे वह भी सामूहिक रूप से सरकार पर प्रहार कर रहे हैं। प्रश्न है कि क्या सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने सरकार से पाक अधिकृत कश्मीर लेने या पाकिस्तान से अंतिम सीमा तक युद्ध करने की मांग की थी? क्या सरकार ने ऐसी कोई बात कही थी? यह दुर्भाग्य है कि पाकिस्तान और आतंकवादी के विरुद्ध इतनी बड़ी विजय और सफलता को भुलाकर जो है नहीं उसकी झूठी नैरेटिव बना दी गई है। ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति यदि लिखें कि हमारी मध्यस्थता में रातभर चली लंबी बातचीत के बाद मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं तो भारत में चिंता स्वाभाविक होगी।

ट्रंप टकराव रोकने के लिए भारत या पाकिस्तान से बात करते हैं तो यह नहीं कहा जा सकता कि हम आपसे बात नहीं करेंगे। कश्मीर पर यह स्टैंड रहेगा है। उनको हम कुछ पोस्ट करने से नहीं रोक सकते। ज्यादा मायने इस बात के हैं कि भारत का स्टैंड क्या है? भारत ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ सामान्य डीजीएमओ की नियमित होने वाली सामान्य वार्ता ही होगी। दूसरे, भारत ने किसी की मध्यस्थता स्वीकारने की बात की ही नहीं। ट्रंप या अमेरिका की कश्मीर पर मध्यस्थता करने की इच्छा हो सकती है कि लेकिन भारत की यह नीति नहीं है। तीसरे, जब भारत ने स्पष्ट कर दिया कि कोई भी आतंकवादी घटना एक्ट आफ वार यानी युद्ध का कदम माना जाएगा तो उसमें राजनीतिक नेतृत्व से बातचीत की गुंजाइश बचती नहीं है।

इसका अर्थ हुआ कि अगर आतंकवादी हमला हुआ तो अभी हम केवल आतंकवादी केंद्रों को निशाना बनाने के लिए मिसाइल के साथ घुसे उसके बाद हमला मानकर पाकिस्तान से सीधे टकराएंगे। इससे स्पष्ट मुखर और आक्रामक नीति तथा वक्तव्य कुछ हो ही नहीं सकता। इस बार सैन्य करवाई से संबंधित सभी निर्णयों में राजनीतिक नेतृत्व के साथ सेना के तीनों प्रमुखों और सीडीएस सम्मिलित रहे। संघर्ष रोकने की घोषणा के पहले भी प्रधानमंत्री ने उनके साथ बैठकें की और सैन्य बलों ने क्या किया क्यों किया कैसे किया क्या सोचती है और क्या करेगी इन सबके बारे में वक्तव्य भी सेना के द्वारा दिया गया। यही बदले भारत को दिखाता है और देश को इस पर विश्वास करना चाहिए।

जो नेतृत्व पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा में सटीक मिसाइलें दाग कर आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त करता है, जिसकी पाकिस्तान क्या अमेरिका कल्पना नहीं कर सकता था वह विश्वासघाती और उन्मादी मजहबी सोच के आधार पर विदेश और सैन्य नीति चलाने वाले देश के साथ बातचीत फिर घाव देने का अवसर देगा ऐसी कल्पना नहीं की जानी चाहिए। कार्रवाई कितनी बड़ी थी इसको ऐसे देखिए कि हथियारों में राफेल से लॉन्च की गई स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर स्मार्ट हथियार, गाइडेड बम किट, एक्सकैलिबर गोला-बारूद के साथ एम 777 हॉवित्जर और लोइटिरंग गोला-बारूद (उर्फ कामिकेज ड्रोन) आदि शामिल थे। तो विजय उत्सव के क्षण को झूठे नैरेटिव में न गंवाएं।

अजब-गजब

भूत नहीं छोड़ते मेरा पीछा, मेरी बन गए हैं परछाई, महिला का दावा मेरे पास दूसरी दुनिया की ताकत

क्या इस धरती पर भूत होते हैं, ये सवाल हर इंसान के लिए सिर्फ बहस का विषय है, जिसको कोई मानता है तो कोई नहीं मानता। अक्सर दुनिया को लगता है कि हम इंडियंस ही भूत या उनसे जुड़ी बाते करते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। ब्रिटेन से एक मामला इन दिनों लोगों के बीच सामने आया है। जहां एक महिला ने ऐसा दावा किया, जिसके बारे में जानकर लोग काफी ज्यादा हैरान हो गए। दरअसल महिला का कहना था कि मुझे भूत दिखाई देते हैं और वो हर समय मेरे साथ ही रहते हैं।

हम बात कर रहे हैं 27 साल की क्लो स्मिथ के बारे में, जिन्होंने दावा किया है कि मेरे साथ हमेशा भूत रहते हैं। फिर चाहे वह हवाई जहाज हो, होटल, या उनके माता-पिता का घर। इतना ही नहीं भूत इस लेवल पर मेरे पीछे पड़े हैं कि वो छुट्टियों में भी मेरा साथ नहीं छोड़ते हैं और परछाई की तरह मेरे पीछे पड़े रहते हैं। अपने वीडियो में क्लो ने बात करते हुए कहा कि मैं रोज़ाना भूतों से मुलाकात करती हूं एक बार ऐसा हुआ कि जब मैं रेयानेयर फ्लाइट से फ्रांस जा रही थीं और विमान में इधर-उधर नजरें घुमा रही थी तो मैंने देखा कि एक भूत एक शख्स के बगल में सिर्फ पांच पंक्तियों आगे बैठा था।

हैरानी की बात तो ये है कि उसने मेरी ओर उम्मीद भरी नजरों से देखा, लेकिन मेरे शरीर का इस्तेमाल उसने चैनल की तरह नहीं कियाबल्कि मुझे मजेदार तरीके से सैल्यूट किया और सम्मान दिया। हैरानी की बात तो ये है कि मैं इस फ्लाइट में अपने भाई माता-पिता के साथ ट्रैवल कर रही थी लेकिन ये भूत सिर्फ मुझे ही नजर आया। इसके बाद से ही मुझे हर जगह भूत दिखाई देते हैं। कार में सफर से लेकर सनी हॉलिडे तक, वे कहीं भी आपका ध्यान खींच लेते हैं।

हालांकि इसके मैं खुद को बड़ा लकी मानती हूं कि मैं अब आराम से दूसरी दुनिया के लोगों के साथ क्नेक्शन बैठा सकती हूं। मीडिया से बात करते हुए क्लो ने कहा कि ये मेरे साथ अब से नहीं मेरी नानी के फ्यूनरल में जब मैंने उन्हें देखा और उस समय से ही ये मेरे साथ है। आज मुझे ऐसा लगता है कि मेरे पास दूसरी दुनिया की ताकत है और इससे मैं आम लोग सेलिब्रिटीज और दुनिया भर के लोगों की मदद करत सकती हूं, जिनको मेरी मदद की जरूर है।

ब्लॉग

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

डॉ. आशीष वशिष्ठ

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है। इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ।

इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति—नीति का समझा जा सकता है। पीएम नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत द्वारा संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है।

2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।" प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, ₹सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।' अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था, 'सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है।'

भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल समझौते को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तज़ा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, ₹सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।₹ पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है।

सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था लेकिन इस नोटिस में सिर्फ 'बदलावों' के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की 'समीक्षा' करने की भी बात की थी। इसमें 'सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों' का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि 'सीमा पार से आतंकवाद' इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है।

15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस। जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर प्रश्न किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह समझौता अभी निरस्त ही रहेगा। भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं।

सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा।

भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के इन कदमों से पाकिस्तान को लंबे समय में नुकसान पहुंचना अवश्यम्भावी है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पाकिस्तान से बात होगी तो टेररिज्म पर होगी पाकिस्तान से बात होगी।।तो पीओके पर होगी। अब पाकिस्तान को यह तय करना है कि वो आतंकवादियों का साथ देगा या फिर अपने प्यासे खेतों और नागरिकों की प्यास बुझाने के लिये शांति और शालीनता के मार्ग का चुनाव करेगा।

दूल्हे की लचकती चाल देख हंस पड़े लोग, पर भड़क गई दुल्हन, बिना शादी के बारात लौटाई

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में एक दुल्हन ने बारात वापस लौटा दी। क्योंकि दूल्हा अपनी शादी में भी शराब पीकर बारात लेकर आया था। ऐसे में दूल्हे को नशे में देखकर लड़की पक्ष के लोग भड़क गए। दुल्हन ने शादी से इनकार कर दिया। दुल्हन ने कहा कि जो शख्स अपनी शादी तक के दिन होश में नहीं है। वह आगे क्या करेगा। ऐसा लड़का किसी काम का नहीं है। मैं ऐसे लड़के से शादी नहीं कर सकती।

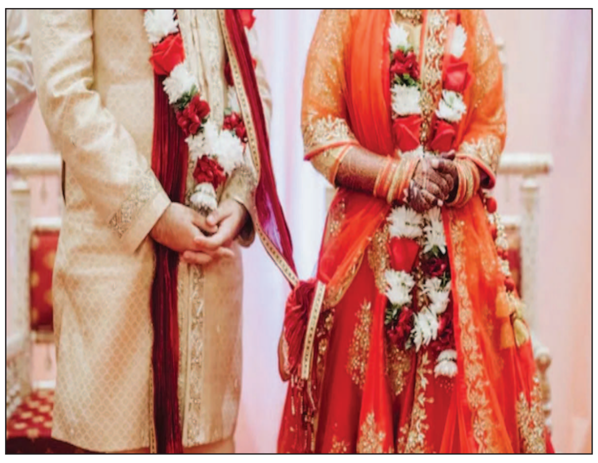

दुल्हन ने शादी से इनकार तो किया ही, साथ ही दुल्हन पक्ष के लोगों ने दूल्हे पक्ष से 7 लाख रुपए की भी मांग की। दुल्हन पक्ष के लोगों ने कहा कि उन्होंने शादी में 7 लाख रुपए खर्च किए हैं, जो दूल्हे पक्ष को देने होंगे। शुरुआत में लड़के वालों ने पैसे देने से मना कर दिया। लेकिन फिर मामला थाने तक पहुंच गया। इसके बाद लड़के वाले लड़की वालों को पैसे देने के लिए राजी हो गए।

दुल्हन ने शादी से साफ इनकार किया

हालांकि लड़के ने अपनी सफाई में कहा कि उसकी इसमें गलती नहीं है। उसके दोस्तों ने कोल्ड ड्रिंक में शराब मिलाकर धोखे से उसे पिला दी थी। जब उसे नशा हुआ तो उसे जानकारी हुई। इस मामले में पंचायत हुई। बड़े-बुजुर्गों और रिश्तेदारों ने लड़की को समझाया। लेकिन दुल्हन ने शादी करने से साफतौर पर मना कर दिया। इसके बाद दूल्हे पक्ष को पैसे देने पड़े और बारात भी वापस ले जानी पड़ी।

एंट्री पर ही लड़खड़ाने लगा दूल्हा

ये मामला संभल के बहजाई के कुल्हेटा से सामने आया है, जहां शनिवार, 17 मई को खेसारी लाल की 19 वर्षीय बेटी शशि की रात 9 बजे बारात आई। उसकी बारात अमरोहा के आदमपुर के टिगरिया नागिर शाह से आई थी। अमित की बारात चढ़ी, दूल्हे के दोस्त और रिश्तेदार सब बैंड-बाजे पर खूब नाचे। लेकिन जब एंट्री हुई तो दूल्हा लड़खड़ाने लगा। जब दूल्हा अंदर आया तो दुल्हन ने उसे देखकर अंदाजा लगा लिया कि उसने शराब पी हुई है। क्योंकि अमित नशे की हालत में था।

शादी में खर्च हुए पैसे देने पड़े

ऐसे में दुल्हन शशि ने भरे मंडप में दूल्हे अमित से शादी करने से इनकार कर दिया। लड़के वालों ने दुल्हन को मनाने की लाख कोशिश की। लेकिन दुल्हन ने सोच लिया था कि वह अब अमित से शादी नहीं करेगी। इसके बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे, जहां दुल्हन पक्ष ने शादी में खर्च हुए पैसे देने की मांग रखी। दूल्हे पक्ष को दुल्हन पक्ष को पैसे देने पड़े और बारात वापस ले जानी पड़ी। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्ष थाने आए, लेकिन किसी की ओर से केस दर्ज नहीं कराया गया है। शशि के पिता ने बेटी की फैसले को सही बताया। वहीं दुल्हन की बहन ने बताया कि पूरी बारात ने शराब पी हुई थी।

जबरन धर्म परिवर्तन करवाना संविधान के खिलाफ

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय संविधान सभी नागरिकों को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म को मानने और उसका प्रचार-प्रसार करने का पूरा अधिकार देता है, लेकिन वह जबरन धर्म परिवर्तन करवाने का विरोध करता है। ये टिप्पणी इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस विनोद दिवाकर ने की है। उन्होंने उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन लोगों के खिलाफ एफआईआर रद्द करने की मांग की गई थी जिनके ऊपर लोगों को पैसे और मुक्त इलाज का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने पर मजबूर करने का आरोप था।

कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि मामला गंभीर है, पुलिस इसको लेकर उचित कार्रवाई करेगी। दरअसल, 4 आरोपियों पर उत्तर प्रदेश अवैध धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम 2021 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

'जबरन धर्म परिवर्तन करवाना संविधान के खिलाफ'

मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि भारत का संवैधानिक प्रारूप अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। संविधान धर्म का प्रचार करने की पूरी आजादी देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि जबरन धर्म परिवर्तन करवाने की भी आजादी देता है। कोर्ट का मानना है किसी एक धर्म को दूसरे धर्म से बेहतर समझना भारतीय धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ है। इसके बाद कोर्ट ने कहा, 'किसी धर्म को स्वाभाविक रूप से श्रेष्ठ मानना यह दर्शाता है कि बाकी धर्म उससे कमतर हैं। यह सोच भारतीय संविधान की सेक्युलर भावना के बिल्कुल विपरीत है। राज्य को सभी धर्मों से समान दूरी रखनी चाहिए।

क्या है अनुच्छेद 25?

भारतीय संविधान ने प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्र जीवन जीने के लिए कुल 6 मौलिक अधिकार दिए हैं। यह मौलिक अधिकार संविधान के अनुच्छेद 12 से लेकर अनुच्छेद 35 में दिए हैं। मौलिक अधिकार के अनुच्छेद 25 में नागरिकों को अपने धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने, उसका पालन करने और प्रचार करने का अधिकार देता है। इसके अतिरिक्त इसकी कुछ सीमाएं भी हैं, जिसके अंतर्गत आप किसी भी व्यक्ति को जबरन उसका धर्म परिवर्तन करने के लिए बाध्य नहीं कर सकते। संविधान में किसी भी एक धर्म को सर्वश्रेष्ठ नहीं माना गया है। भारतीय संविधान के अनुसार सभी धर्म एक समान है।

दादी को ढूढने निकली 5 साल की मासूम हत्या, घर से कुछ दूर मिला शव ; गले पर काटने के निशान- जीभ बाहर निकली

आर्यावर्त संवाददाता

लालगंज (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के सिद्धनाथ गांव निवासी राजू गौतम की पांच वर्षीय पुत्री सृष्टि रविवार को दोपहर को दोपहर से गायब हो गई। देर रात उसका शव घर से कुछ दूर क्रबिस्तान के पास मिला। उसकी बेरहमी से हत्या की गई है।

उसके गले पर कटने के निशान हैं और उसकी जीभ बाहर निकली हुई थी। बच्ची रविवार को करीब तीन बजे किसी काम से अपने ही गांव में अपनी दादी को ढूढने के लिए निकली थी और संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई। काफी ढूढने पर जब वह नहीं मिली तो घर वालो ने इसकी सूचना लालगंज पुलिस को देते हुए उसे ढूढने में लगे हुए थे। वह देर रात तक कहीं नही मिली तो अंत में मौके पर पहुंचे पुलिस कप्तान अभिनंदन और पुलिस टीम ने सिद्धनाथ गांव में सर्च अभियान शुरू कर दिया।

पुलिस के सर्च अभियान में उसका शव घर से लगभग 300 मीटर दूर चारागाह और क़ब्रिस्तान के पास में मिल गया। शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने उसे पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष लालगंज शशांक शेखर राय ने बताया कि गांव के लोगों ने उसे ढूढने का काफी प्रयास किया, लेकिन रात करीब 10 बजे तक उसका कोई पता नहीं चल पाया। रात लगभग 10 पुलिस कप्तान अभिनंदन, एडिशनल एसपी ओम प्रकाश सिंह,सीओ रूधौली सवर्णिमा सिंह,सीओ सिटी सतेंद्र भूषण तिवारी और सीओ कलवारी प्रदीप कुमार तिवारी और स्थानीय पुलिस ने जब सर्च अभियान शुरू किया तो लगभग दो घंटे के सर्च अभियान के बाद लगभग 12 बजे रात में पांच वर्षीय सृष्टि का शव मीटर मिला। थानाध्यक्ष ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सही जानकारी मिलेगी।

कैसे ISI एजेंट्स की मदद करता था शहजाद? पत्नी बोली- वो जासूस नहीं, पाकिस्तान से सूट लाकर इंडिया में बेचता था पति

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में रविवार को यूपी एटीएस ने एक ISI एजेंट को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शहजाद नाम के शख्स को मुरादाबाद से जासूसी करने के मामले में गिरफ्तार किया। जासूस शहजाद की पत्नी ने जासूसी करने से इनकार किया है। जासूस की पत्नी का कहना है कि उसका पति पाकिस्तान से कपड़ा लाकर कारोबार करता है। यूपी एटीएस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

आरोपी से पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं। फिलहाल पूछताछ लगातार जारी है। ATS के हवाले से कहा गया है कि हिंदुस्तान और पाकिस्तान बॉर्डर पर कई बार शहजाद गया है, जिसमें कई अहम खुलासे और होना बाकी हैं। मुरादाबाद में जासूस की गिरफ्तारी को लेकर जब रामपुर की रहने वाली जासूस शहजाद की पत्नी रजिया से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि मेरे पति शहजाद

कपड़े का काम करते थे। अगर काम खुला होता था तो कर लेते थे। वरना वह फल-फ्रूट का ठेला भी लगा लिया करते थे।

"पति के साथ बहुत जुल्म हो रहा है"

रजिया ने कबूल किया कि उनके पति सूट पाकिस्तान के लाहौर से लेकर आया करते थे। शहजाद की पत्नी ने बताया कि साल में एक दो बार पाकिस्तान जाया करते थे, जहां से सूट लेकर आया करते थे। जब गिरफ्तारी को लेकर जानकारी ली गई तो शहजाद की पत्नी ने बताया हमें नहीं पता क्या कुछ हुआ है। शहजाद की पत्नी ने कहा मेरे पति को लोग दोषी ठहरा रहे हैं। मेरे पति के साथ बहुत जुल्म हो रहा है।

शहजाद के साथ कौन जाता था पाकिस्तान?

ISI एजेंसी को लेकर काम करने के लिए पूछे गए सवाल पर पत्नी ने कहा कि नहीं नहीं यह सब झूठ है। यह जो भी तमाम आरोप लगाए जा रहे हैं। वह झूठे हैं। महिला ने बताया उसके पति का कपड़े का कारोबार था। जब रजिया से ये पूछा गया कि शहजाद के साथ कोई और भी पाकिस्तान जाता था? तो उसने जवाब देते हुए कहा कि उसके पति शहजाद अकेले ही पाकिस्तान जाया करते थे और वहां से कपड़ा लाकर भारत में बेचा करते थे। मेरे पति का ISI से कोई संबंध नहीं है।

धार्मिक स्थल के पास लगने हटाई गई वाली मीट-मछली मंडी

आर्यावर्त संवाददाता

पलियाकला-खीरी। संपूर्णानगर में एक धर्म स्थल गेट के पास लग रही मांस तथा मछली मंडी को पुलिस ने नागरिकों की शिकायत पर हटवा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संपूर्णा नगर क्षेत्र मे मांस तथा मछली की दुकानें खुले में धर्म स्थल के गेट के पास लग रही थी नागरिकों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री समेत एसडीएम को की थी जिस पर कार्रवाई करते हुए थाना प्रभारी द्वारा धर्म स्थल गेट के पास से दुकानों को बंद करवाकर मछली मंडी हटवा दी गई तथा उनको चेतावनी दी गई है भविष्य में यहां खुले में मांस तथा मछली की दुकानें लगाकर बिक्री किसी भी स्थिति में न की जाए। उधर दूसरी तरफ मास तथा मछली के विक्रताओं ने उनको नई जगह आवंटित करने की मांग की है जहां वह अपनी मांस तथा मछली की दुकाने लगाकर सुविधाजनक तरीके से बिक्री कर सके।

'बेवफाई मार गई... शादी का वादा कर मुकरी', दर्द लिख युवक ने लगा ली फांसी, होटल के कमरे में मिली लाश

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। यूपी के बरेली के प्रेमनगर क्षेत्र के रहने वाले 28 साल के आगाज नाम के युवक ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। आगाज बानखाना मोहल्ला में बेकरी चलाता था। उसने जंक्शन के पास होटल सिटी ग्रांड के एक कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक आगाज ने होटल के पंखे से नायलॉन की रस्सी बांधकर फांसी लगाई।रस्सी टूट जाने के कारण उसका शव बेड पर गिर गया।

होटल स्टाफ ने जब कमरे में देखा तो तुरंत होटल मालिक जीशान को सूचना दी। जीशान ने पुलिस को खबर दी, जिसके बाद दरवाजा तोड़कर पुलिस अंदर पहुंची और शव बरामद किया। जांच के दौरान पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला जो अंग्रेजी में लिखा हुआ था। इस सुसाइड नोट में आगाज ने मोहल्ले की ही एक विवाहित महिला का नाम लिखा है। उसने महिला पर भावनात्मक रूप से धोखा देने का आरोप लगाया है।

युवक ने लिखा कि महिला ने उससे शादी का वादा किया था, लेकिन बाद में मुकर गई। उसकी बेवफाई से आहत होकर उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। होटल मालिक जीशान ने बताया कि आगाज उसका करीबी दोस्त था। वो कभी-कभी होटल में आराम करने आ जाता था। शनिवार को भी वह दोपहर में स्कूटी से होटल आया था। जब देर रात तक वह कमरे से बाहर नहीं निकला, तो कर्मचारियों को शक हुआ। स्कूटी नीचे खड़ी थी और कमरा अंदर से बंद था। दरवाजा खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला तो पुलिस को बुलाया गया। इसके बाद पुलिस ने होटल के सीसीटीवी फुटेज चेक किए तो देखा कि आगाज अपने साथ नायलॉन की रस्सी लेकर आया था। उसी रस्सी से उसने आत्महत्या की। पुलिस के अनुसार, यह सब उसने पहले से सोच-समझकर किया था। वहीं परिजनों के अनुसार, आगाज पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था और अकेले रहने लगा था। पुलिस ने आगाज का मोबाइल जब्त कर लिया है।

पुलिस कर रही मामले की जांच

पुलिस उसके कॉल डिटेल्स और चैटिंग की जांच कर रही है। इससे पता लगाया जाएगा कि आखिर आत्महत्या की असली वजह क्या थी और उस महिला से उसकी बातचीत में क्या हुआ था। जिन लोगों का जिक्र सुसाइड नोट में है, उनसे भी पूछताछ की जाएगी। आगाज के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की स्थिति साफ हो पाएगी। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। आगाज की इस घटना से पूरे मोहल्ले में दुख का माहौल है।

यूपी में फिर बदला मौसम का मिजाज... इन जिलों में आंधी के साथ बारिश की संभावना

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम एक बार फिर बदल गया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, बीते 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। यह बदलाव हवाओं की दिशा और बंगाल से पंजाब तक फैली एक मौसम प्रणाली के कारण हुआ है, जिससे खासकर उत्तर और मध्य हिस्सों में ठंडी हवाएं चल रही हैं। अगले 2 से 3 दिनों में तराई के इलाकों में पुरवा और पछुआ हवाओं के आपस में टकराने की वजह से हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है।

इस दौरान कुछ जगहों पर बादल छा सकते हैं, हल्की बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने की भी संभावना है। हालांकि, प्रदेश के बाकी हिस्सों में मौसम सामान्य रहेगा और तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। मौसम विभाग ने बताया है कि 21 से 22 मई

के बीच फिर से मौसम में बड़ा बदलाव हो सकता है। इस समय अरब सागर में बनने वाली एक सिस्टम के कारण प्रदेश में नम दक्षिण-पश्चिमी हवाएं आएंगी, जो पुरानी हवाओं से मिलकर बारिश की संभावना को और बढ़ा देंगी।

लोगों से की गई ये अपील

इससे उत्तर और मध्य इलाकों में मौसम और भी सुहावना हो सकता है, जबकि दक्षिणी हिस्सों में ज्यादा असर नहीं होगा। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे इस संभावित बारिश के लिए पहले से तैयारी करें, ताकि फसलों को नुकसान न हो। साथ ही, निचले इलाकों में जलभराव की आशंका को देखते हुए प्रशासन को भी सतर्क रहने को कहा गया है। लोगों से अपील की गई है कि वे मौसम की ताजा जानकारी के लिए समय-समय पर बुलेटिन देखते रहें।

कानपुर में आज छाए रहेंगे बादल

बता दें कि कानपुर में आज और कल और 21 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। वहीं 22 मई को तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान तीनों ही दिन अधिकतम तापमान 40 डिग्री के ऊपर बना रह सकता है। आज लखनऊ में भी आशिंक रूप से बादल रह सकते हैं। कल और 21 मई को गरज के साथ बिजली चमकने की भी संभावना है। 22 तारीख को लखनऊ में भीगरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

नोएडा और आगरा में बारिश

वहीं नोएडा में आज बारिश आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश हो सकती है। कल यहां मौसम साफ रहेगा। 21 मई को फिर तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। 22 मई को भी नोएडा में मौसम कुछ ऐसा ही रहेगा। आगरा में आज आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और एक या दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। कल यहां मौसम साफ रहेगा। 21 मई को फिर बारिश हो सकती है।

इन जिलों में कैसा रहेगा मौसम

गोरखपुर में आज से लेकर 22 मई तक बारिश हो सकती है। भगवान राम की नगरी अयोध्या में आज मौसम साफ रहने वाला है। कल से 22 मई तक यहां बरसात देखने को मिल सकती है। शिव की नगरी काशी यानी वाराणसी की बात करें तो यहां कल आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं और एक या दो बार गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। फिर 21-22 मई को तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

मां को पसंद नहीं था प्रेमी... बेटी ने बॉयफ्रेंड संग मिलकर कांच के टुकड़े से रेता मां का गला ; लाश के कपड़े उतारकर रची ये साजिश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। यूपी के लखनऊ में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया, जिसमें एक 40 वर्षीय महिला की मौत हुई थी। मृतक महिला की पहचान ऊषा सिंह के रूप में की गई थी। शुरुआती तौर पर महिला की बेटी ने शोर मचाया की लूट के बाद उसके मां की हत्या कर दी गई पर जैसे-जैसे पुलिस की जांच आगे बढ़ी सबके रोंगटे खड़े हो गए।

पुलिस की जांच में पता चला की प्रेम में बाधा बन रही मां को उसकी ही 16 साल की नाबालिग बेटी ने अपने 17 साल के प्रेमी के साथ मिलकर मार डाला। दोनों ने पहले लड़की की मां का गला दबाया। फिर कांच के टुकड़े से गला रेता और फिर घटना को लूट और दुष्कर्म का रूप देने के लिहाज से लड़की ने मां के शरीर से कपड़े हटाए। कमरे का सामान बिखेरा और फिर अपने प्रेमी को भगा दिया। यह घटना लगभग दो से तीन बजे शनिवार-रविवार की दरमियानी रात की है। घटना के बाद लड़की ने मोहल्ले में शोर मचाया कि उसकी मां की बदमाशों ने हत्या कर दी है।

इसलिए मां को मार दिया

साथ ही अपने मामा को भी फोन करके उसने यही बात कही। उसके बाद मोहल्ले वालों से लेकर रिश्तेदार सब घर पहुंचे। वहीं पुलिस ने भी जांच पड़ताल शुरू करी। पुलिस को भी शुरुआत में बेटी ने गुमराह किया पर पुलिस को जब शक हुआ तो पुलिस ने बेटी से सख्ती से जब पूछताछ किया तो वह सारी बात को बोल ली उसने कहा कि उसकी मां उसे अपने प्रेमी से नहीं मिलने देती थी इसलिए मां को मार दिया।

दोनों घर से भाग भी गए थे

पुलिस के मुताबिक, महिला की 16 साल की बेटी का 17 साल के गैर समुदाय के लड़के के साथ प्रेम संबंध था। दोनों शादी करना चाहते थे पर लड़की की मां तैयार नहीं थी। पिछले साल ही दोनों घर से भाग भी गए थे, जिसके बाद लड़की की मां ने मुकदमा दर्ज कराया था और फिर पुलिस ने लड़की को बरामद कर प्रेमी को बाल सुधार गृह भेज दिया था, लेकिन बाल सुधार गृह से छूटने के बाद लड़का लगातार लड़की को उकसाता रहा कि तुम्हारी मां ने हम दोनों को अलग कर दिया। कुछ महीने से दोनों फिर से मिलने लगे थे।

प्रेमी के उकसावे में रची साजिश

इसी दौरान प्रेमी के उकसावे में आकर किशोरी ने मिलकर मां की हत्या की साजिश रची थी। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात में 2:15 बजे के करीब लड़की ने अपने प्रेमी को फोन कर घर बुलाया। इसके बाद दोनों ने दुपट्टे से महिला का गला कसा। फिर शीशा तोड़कर गला राते दिया। पूरी घटना को लूट और रेप के बाद हत्या का रूप दिखाने के लिए लड़की ने मां के कपड़े तक उतार दिए और अपने प्रेमी को वहां से भगा दिया।

दोनों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज

पुलिस ने घटना के खुलासे के लिए चार टीमें गठित की और नाबालिग लड़की की कॉल डिटेल खंगाली तो प्रेमी से बातचीत के साक्ष्य मिले। इसके बाद प्रेमी को पकड़ा गया। पूछताछ में दोनों ने पूरी वारदात स्वीकार कर ली। अब फिलहाल दोनों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है और महिला के भाई की तहरीर पर दोनों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

नाबालिग लड़की की मां ऊषा सिंह लखनऊ में ऑडिट भवन में आउटसोर्सिंग पर काम करती थी। आरोपी लड़का उसके घर से 500 मीटर की दूरी पर रहता था। मां सुरक्षा की दृष्टि से बेटी को अपने साथ ऑफिस ले जाती थी और छुट्टी के बाद उसे लेकर आई थी।

राज्यमंत्री एवं मुख्य विकास अधिकारी ने नव चयनित आंगनबाडी कार्यकत्रियों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। सदर विधानसभा पीलीभीत-127 सदर के अन्तर्गत परियोजना अमरिया,शहर, ललौरीखेड़ा व मरौरी में नव चयनित ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्राप्त कराये गये नियुक्ति पत्र। नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में मा0 राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, उ0प्र0 शासन,संजय सिंह गंगवार के करकमलों से मुख्य विकास अधिकारी के0के0सिंह की उपस्थिति में कुल 38 नव चयनित ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इसके साथ ही कार्यकम में महिला कल्याण विभाग द्वारा कन्या सुमंगला योजना के 02 के बच्चों को स्वीकृति पत्र एवं तथा 05 बालिकाओं को हाईजीन किट वितरित की गई। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी बाल विकास परियोजना अधिकारी सहित नव चयनित ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों के परिजन सहित अन्य उपस्थित रहे।

बादाम के बाद भिगोकर खाया जाने वाला दूसरा बेस्ट फूड, सही से खा लिया तो बन जाएंगे 'चाणक्य'

बादाम को खाने से पहले भिगोया जाता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से उसके फायदे बढ़ जाते हैं और वो आसानी से पच जाता है। मगर इसके अलावा भी एक खाद्य पदार्थ है जिसे भिगोकर खाते हैं। यह भी बादाम की तरह एक ड्राई फ्रूट है और इसे खाने से आपको एक खास फायदा मिलता है।

इस ड्राई फ्रूट को भिगोकर खाने से आपका दिमाग चाणक्य की तरह तेज चलने लगेगा। माना जाता है कि चाणक्य की तरह पुराने जमाने के लोगों का दिमाग के काम करने की क्षमता बहुत ज्यादा थी। आप भी अपने दिमाग की कैपासिटी बढ़ाने के लिए अखरोट को भिगोकर खा सकते हैं। रातभर एक कटोरी पानी में 2 अखरोट की गिरी भीगी रहने दें। सुबह इन्हें खाली पेट अच्छी तरह चबाकर खाएं।

फुल स्पीड से दौड़ेगा दिमाग

अखरोट को अक्सर 'ब्रेन फूड' कहा जाता है और इसका कारण ओमेगा-3 फैटी एसिड है। ओमेगा-3 फैटी एसिड दिमाग के फंक्शन के लिए महत्वपूर्ण है। यह फूड दिमाग के विकास और कॉग्निटिव फंक्शन को बढ़ाता है। इसके हेल्दी फैट्स मस्तिष्क कोशिकाओं के रखरखाव में सहायता करते हैं और याददाश्त में सुधार करते हैं।

टाइप 2 डायबिटीज

अखरोट इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार करते हैं। इस वजह से टाइप 2 डायबिटीज के मरीज या खतरा रखने वाले लोग इसे खा सकते हैं। भीगे हुए अखरोट को अपने मॉर्निंग रूटीन में शामिल करने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। अखरोट में हेल्दी फैट, फाइबर और प्रोटीन का मिक्सचर ब्लड फ्लो में ग्लूकोज को मिलने की रफ्तार कम करता है।

कोलेस्ट्रॉल छोड़ेगा दिल

भीगे हुए अखरोट खतरनाक कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल का स्वास्थ्य सुधरता है। यह फूड पॉलीअनसेचुरेटेड फैट खासकर अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (एएलए) से भरपूर है। यह अच्छे कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) को बढ़ाते हुए खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करते हैं। यह संतुलन धमनियों में प्लाक निर्माण को रोकने और हार्ट डिजीज के खतरे को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

बुढ़ापे में जवानी का एहसास और गट हेल्थ

जवानी की तरह बुढ़ापा जीना कई लोगों का सपना होता है जिसे बीमारियां तोड़ देती हैं। भीगे हुए अखरोट खाने से एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं जो सेल्स को डैमेज होने से बचाते हैं और बुढ़ापे में होने वाली बीमारी से आजादी मिलती है। यह आपकी गट हेल्थ को बेहतर बनाता है। यह फाइबर देता है जो डायजेशन बढ़ाने के साथ कब्ज का खतरा कम करता है।

10 रुपये में झोली भरकर मिल रही ये सब्जी, आज ही घर ले आएं और चेहरे पर घिस कर लगा लें ये नुस्खा

कई सब्जियां ऐसी हैं जो ना सिर्फ हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होती हैं बल्कि त्वचा से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने के लिए भी इस्तेमाल की जाती हैं। उन्हीं में से एक सब्जी के बारे में हम आपको आज इस लेख में बताने वाले हैं, जो स्किन को फ्रेश रखने के साथ-साथ उसे डाईड्रेट रखने में भी मदद करता है.

ये सब्जी है खीरा, जो आजकल मंडी में 10-20 रुपये किलो बिक रहा है, ऐसे में आप अपने और परिवार वालों की सेहत का ख्याल रखने के साथ-साथ अपनी स्किन का भी ध्यान रख सकती हैं। वो कैसे? इसे इस्तेमाल करना का सही तरका आज हम आपको बताने वाले हैं, तो आइए जानते हैं चेहरे पर खीरा लगाने का तरीका।

चेहरे पर खीरा लगाने के फायदे

हम अपने चेहरे को दाग रहित और चमकदार बनाने के लिए क्या कुछ नहीं लगाते हैं! जिनमें से ज्यादातर चीजें केमिकल वाली होती हैं जो हमारी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। लेकिन चेहरे पर खीरे का इस्तेमाल करने से त्वचा में निखार आता है और इससे मिलने वाली ठंडक गर्मी से होने वाले एक्ने को भी खत्म करती है।

फेस पर खीरा इस्तेमाल करने का तरीका

हम आपको चेहरे पर खीरा लगाने के 3 तरीकों के बारे में बताएंगे, जिनमें से पहला है खीरे की स्लाइस काटकर इस्तेमाल करना। इसमें आपको करना ये है कि सुबह उठकर खीरे की पतली-पतली स्लाइस काट लेनी हैं।

अब इन्हें अपनी आंखों और चेहरे के बाकी हिस्सों में चिपका देना है। इससे आपके आंखों के नीचे काले घेरे हल्के हो जाएंगे और जब स्किन को पूरी तरह से पानी मिलेगा तो वो और भी चमकेगी।

खीरे से बनाएं फेस पैक

जिस तरह बाकी चीजों का फेस पैक बनाया जाता है उसी तरह हम आपको खीरे को चेहरे पर लगाने का तरीका बताएंगे। दूसरा तरीका आजमाने के लिए आपको खीरे को मिक्सी में पीसकर 2 चम्मच पेस्ट तैयार कर लेना है।

इसके बाद एलोवेरा जेल को खीरे में मिलाकर पैक तैयार कर लेना है। अब आप इसे अपने चेहरे पर लगाकर 15 मिनट कर छोड़ सकते हैं। ये आपकी स्किन को हाइड्रेट करने, दाग-धब्बों को कम करने और चेहरे पर ग्लो लाने में फायदेमंद होता है।

कॉटन पैड से लगाएं खीरे का रस

चेहरे पर खीरा लगाने का ये तीसरा तरीका सबसे आसान और असरदार है। इसमें आपको खीरे को पीसकर उसके ग्रेवी में से रस अलग कर लेना है। इसके बाद रूई की मदद से इसे अपने फेस पर लगाना है। ये नुस्खा आपके चेहरे से फीकापन दूर कर उसे निखारने का काम करेगा। इसके अलावा आप डायरेक्ट खीरा भी अपने चेहरे पर घिस सकते हैं।

कुकुंबर आइस क्यूब

अगर आपके लिए सुबह या किसी भी समय खीरे को छीलने, काटने या फिर पेस्ट बनाने में कोई समय लगता है तो इसका सबसे अच्छा विकल्प आइस क्यूब का है। हम आपको पानी की नहीं बल्कि खीरे के रस से बना आइस क्यूब की बात कर रही हूं,जिसे आप कभी भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बर्फ हमारे ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाने में मदद करती है। इससे आपके चेहरे का निखार कई गुना बढ़ जाएगा।

घर के एंट्री गेट पर ऐसे पायदान रखने से मिलेगा रॉयल लुक, अमीरों की पहली पसंद है इस डिजाइन के डोरमेट

अपने घर को खूबसूरत दिखाने के लिए लोग काफी कोशिश करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है पायदान का सही सिलेक्शन आपके घर को रॉयल लुक दे सकता है। इसके लिए हम आपको डिजाइनर डोरमेट के बारे में बताने जा रहे हैं ऐसे पायदान जो अमीरों के घर में भी नजर आते हैं।

अक्सर लोग यही सर्च करते रहते हैं कम बजट में घर को रॉयल कैसे दिखाया जाए। घर को डेकोरेट करने के लिए नए-नए आइडिया ढूंढते रहते हैं। वैसे अगर घर को खूबसूरत दिखाना चाहते हैं तो आपको शुरुआत एंट्री गेट से ही करना चाहिए। दरअसल डिजाइनर पायदान आपके घर की खूबसूरती में चार-चांद लगाने का काम करते हैं। इन्हें देखने के बाद मेहमान भी खुश हो जाते हैं।

इतना ही नहीं डोरमेट की मदद से आप अपने घर को अमीरों के हाउस जैसा लुक भी दे सकते हैं। इसके लिए आपको बस सही डोरमेट का सिलेक्शन करना होगा। अब आप सोच रहे होंगे कि इसके लिए कैसे पायदान गेट पर रखना चाहिए। इसके लिए हम आपको अलग-अलग डिजाइन के डोरमेट के बारे में बता रहे हैं इनसे आपको अपने घर के लिए आइडिया मिल जाएगा।

वेलकम डोरमेट

वेलकम वाले पायदान का ट्रेंड भले ही पुराना हो गया हो लेकिन लोगों की पहली पसंद यही रहता है। यहां तक कि रॉयल घर में भी इस तरह के डोरमेट गेट पर रखे रहते हैं। ऐसे में आप भी इसे अपने गेट पर डालकर मेहमानों का स्वागत कर सकते हैं। गेस्ट को भी वेलकम डोरमेट देखकर अच्छा लगेगा।

हैलो डोरमेट

अगर आपको लगता है कि welcome डोरमेट कुछ ज्यादा पुराना हो गया है और आप कुछ यूनिक ट्राई करना चाहती हैं तो हैलो डोरमेट सबसे अच्छा रहेगा। यह आपके होम को मॉर्डन लुक देने का काम करेगा साथ ही स्टाइलिश भी लगेगा। ऐसे में वेलकम की जगह हैलो डोरमेट गेट पर डाल सकती हैं।

सॉफ्ट फैब्रिक वाले डोरमेट

अपने घर को रिच और रॉयल दिखाने के लिए सॉफ्ट फैब्रिक वाले पायदान का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा ऑप्शन है। यह खूबसूरत होने के साथ बहुत नरम होते हैं, जिससे आप आसानी से अपने पैरों को पोंछ सकते हैं। और, जब कोई आपके घर आएगा तो उन्हें भी इस पर पैर रखते ही अच्छा फील होगा।

फ्लावर और पत्ती की डिजाइन

आप अपने घर के एंट्री गेट के लिए फ्लावर या पत्ती की डिजाइन वाला डोरगेट भी सिलेक्ट कर सकते हैं। इस तरह के डोरमेट आपके घर को खूबसूरत दिखाने के साथ यूनिक लुक भी देते हैं। अगर आपको इस तरह की डिजाइन पसंद हैं तो इन्हें आपने घर के लिए चुन सकती है।

इन पायदान से मिलेगा क्लासी लुक

क्लासी लुक के लिए आप चैक्स या लाइनिंग डिटेलिंग वाले डोरमेट सिलेक्ट कर सकते हैं। इस तरह के पायदान आपके घर को सबसे अलग दिखा सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि यह पायदान बहुत महंगे भी नहीं मिलते हैं। तो मार्केट से आप इन्हें आराम से खरीद सकते हैं।

गोल्ड और क्रेडिट कार्ड की मेहरबानी के चलते लोगों ने जमकर लिया पर्सनल लोन, लेकिन यहां हो गए फेल...

देश में पर्सनल लोन लेने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पर्सनल लोन में 14 फीसदी की तेजी आई है। इस तेजी में सबसे ज्यादा योगदान गोल्ड और क्रेडिट कार्ड का है। यह रिपोर्ट रिजर्व बैंक की ओर से जारी की गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस वृद्धि के साथ लोन की रकम 55 .3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

लोन लेने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। क्रेडिट कार्ड और गोल्ड के कारण पर्सनल लोन में 14 फीसदी की तेजी आई है। बैंक लोन पर रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में पर्सनल लोन में 14.4 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके साथ ही यह रकम 55.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। लोन की इस रकम में सबसे ज्यादा योगदान गोल्ड लोन और क्रेडिट कार्ड लोन का है। रिपोर्ट के मुताबिक साल-दर-साल (YoY) ग्रोथ के मामले में 39 फीसदी लोन गोल्ड पर लिया गया, जो सबसे ज्यादा रहा। वहीं दूसरे नंबर पर क्रेडिट कार्ड रहा। इसके जरिए 22 फीसदी लोन लिया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक कृषि और संबद्ध गतिविधियों में बकाया लोन में 18.1 फीसदी की तेजी देखी गई, जो कुल 21.6 लाख करोड़ रुपये हो गया है। रिपोर्ट में एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। इसके मुताबिक ऐसे यूजर्स की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है जिनके पास क्रेडिट कार्ड का बकाया है। यानी इन्होंने कार्ड पर लोन लिया या उससे रकम खर्च की लेकिन बिल नहीं भरा। रिपोर्ट में बताया गया है कि क्रेडिट कार्ड बकाया साल-दर-साल 22 फीसदी बढ़कर लगभग 2.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

क्रेडिट कार्ड से खर्च में बनाया रेकॉर्ड

एसबीआई सिक्योरिटीज की तरफ से जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रेडिट कार्ड होल्डर ने इस साल जुलाई में क्रेडिट कार्ड से 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। यह रकम पिछले साल के समान महीने की तुलना में 19 फीसदी ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लोगों ने क्रेडिट कार्ड से जुलाई में कितनी बार ट्रांजेक्शन किया। इसके मुताबिक जुलाई में कुल 38.4 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए। यह संख्या भी पिछले साल के समान महीने के मुकाबले 39 फीसदी ज्यादा है।

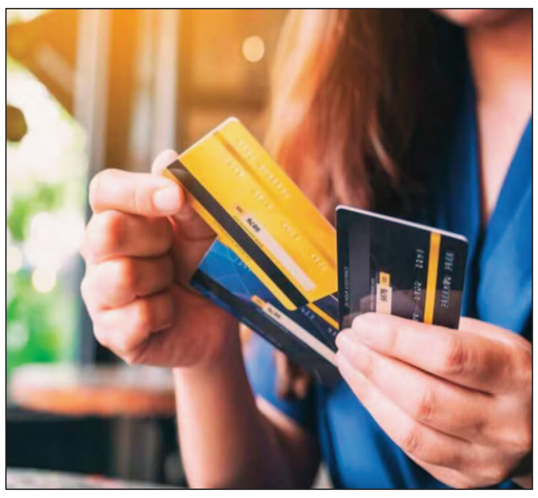

अगस्त में यूपीआई से लेनदेन में 41% की वृद्धि

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) में अगस्त महीने में 41 फीसदी की वृद्धि (साल-दर-साल) के साथ रेकॉर्ड 14.96 अरब का ट्रांजेक्शन हुआ। इससे कुल लेनदेन राशि 20.61 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 31 फीसदी अधिक रही। यह जानकारी रविवार को नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों से मिली है। पिछले महीने औसत दैनिक लेनदेन राशि 483 मिलियन रही, जिससे औसत दैनिक लेनदेन राशि 66,475 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। ऐसे में रिपोर्ट की मानें तो यूपीआई लेनदेन लगातार चार महीनों से 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है।

अब भारत में छोटे उद्योगों को लाभ, ब्रिटेन के साथ भारतीय परिधान का बढ़ेगा कारोबार

बांग्लादेशी वस्तुओं के आयात पर रोक से भारत में छोटे उद्योगों को लाभ होने के आसार हैं। बांग्लादेशी निर्यातकों को मिल रही बढ़त का भारतीय कंपनियां अक्सर विरोध करती रही हैं। बता दें कि भारत ने 77 करोड़ डॉलर आयात पर पाबंदी लगाई है। इस फैसले से घरेलू कपड़ा उद्योग को प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत की ओर से बांग्लादेश की कुछ वस्तुओं के आयात पर लगे प्रतिबंध से देश के छोटे और मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को फायदा होगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटीव (जीटीआरआई) ने कहा, इस फैसले से घरेलू रेडीमेड गारमेंट उद्योग को अपनी प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत ने 17 मई को बांग्लादेश से 77 करोड़ डॉलर के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। यह द्विपक्षीय आयात का 42 फीसदी है। 61.8 करोड़ डॉलर मूल्य के रेडीमेड गारमेंट्स को अब केवल दो भारतीय बंदरगाहों के जरिये ही भेजा जा सकेगा। इससे बांग्लादेश के लिए सबसे मूल्यवान निर्यात चैनल पर गंभीर प्रतिबंध लग गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कपड़ा कंपनियां लंबे समय से बांग्लादेशी निर्यातकों को मिल रही प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त का विरोध करती रही हैं, जो शुल्क मुक्त चीनी कपड़ा आयात और निर्यात सब्सिडी से लाभान्वित होते हैं। इससे उन्हें भारतीय बाजार में 10-15 फीसदी मूल्य लाभ मिलता है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के उपाध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा, यह प्रतिबंध भारत सरकार का यह अच्छा निर्णय है। इससे घरेलू उद्योग को लाभ होगा।

ब्रिटेन के साथ भारतीय परिधान का बढ़ेगा कारोबार

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा के अनुसार, ब्रिटेन के साथ भारत के परिधान और घरेलू वस्त्र व्यापार में वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में संपन्न एफटीए के कारण अगले 5-6 वर्षों में ब्रिटेन के साथ भारत का परिधान और घरेलू वस्त्र व्यापार अपने वर्तमान स्तर से दोगुना होने की उम्मीद है। इस समझौते के तहत भारत 90 प्रतिशत ब्रिटिश वस्तुओं पर टैरिफ कम करेगा, जबकि 85 प्रतिशत दस साल की अवधि में पूरी तरह से शुल्क मुक्त हो जाएंगे। बदले में, ब्रिटेन ने कुछ उत्पादों पर अपने टैरिफ कम करने पर सहमति जताई है, जिसके परिणामस्वरूप भारत से ब्रिटेन को किए जाने वाले 99 प्रतिशत निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।

भारत को बातचीत के लिए खुला रखना चाहिए दरवाजा

रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश भले ही चीन के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा है, लेकिन भारत को बातचीत के लिए दरवाजा बंद नहीं करना चाहिए। बड़े पड़ोसी और क्षेत्रीय शक्ति के रूप में भारत पर धैर्य के साथ नेतृत्व करने, संवाद को खुला रखने और व्यापार को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने से बचने की बड़ी जिम्मेदारी है।

भारत ब्रिटेन का 12वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

भारत वर्तमान में ब्रिटेन का 12वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। परिधान और घरेलू वस्त्रों के आयात में यह पांचवें स्थान पर है। 2024 में ब्रिटेन द्वारा भारत से आयातित परिधान और घरेलू वस्त्रों का मूल्य 1.4 अरब डॉलर था। अमेरिका और यूरोपीय संघ भारतीय परिधान और घरेलू वस्त्र निर्यातकों के लिए प्रमुख निर्यात बाजार बने रहेंगे, जिनकी वर्ष 2024 में 61 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

अर्जेंटीना की राजनीति पर राष्ट्रपति मिलेई की पकड़ हुई मजबूत, स्थानीय चुनाव में दर्ज की अहम जीत

ब्यूनस आयर्स। एक समय मध्य-दक्षिणपंथी राजनीति का केंद्र रहा दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना अब धुर उदारवादी पार्टी की तरफ झुकता दिखाई दे रहा है। दरअसल स्थानीय चुनाव में धुर उदारवादी पार्टी के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। धुर उदारवादी पार्टी के नेता और मौजूदा राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के लिए बड़ी जीत है क्योंकि इस साल के अंत में अर्जेंटीना में मध्यावधि चुनाव होने हैं। उससे पहले मिलेई की पार्टी की स्थानीय चुनाव में यह जीत कहीं न कहीं इस बात का संकेत है कि मिलेई की अर्जेंटीना की राजनीति में पकड़ मजबूत हो रही है।

विपक्षी पार्टी का गढ़ माना जाता था ब्यूनस आयर्स

मिलेई की पार्टी के उम्मीदवार मैनुअल एडोर्नी ने ब्यूनस आयर्स के चुनाव में जीत दर्ज की है और 30 प्रतिशत मत हासिल किए। वहीं पूर्व राष्ट्रपति मॉरिसियो मैक्री की मध्य दक्षिणपंथी पीआरओ पार्टी को बुरी हार का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि यह जीत मिलेई के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि ब्यूनस आयर्स मध्य दक्षिणपंथी पार्टी का गढ़ माना जाता था, लेकिन मिलेई की पार्टी एलएलए ने उस गढ़ में भी सेंधमारी कर दी है। ब्यूनस आयर्स में पीआरओ पार्टी की 18 साल तक सरकार रही और अब उनकी पार्टी का उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहा है। वामपंथी पॉप्युलिस्ट पेरोनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार को दूसरा स्थान मिला।

दक्षिणपंथी राजनीति का बढ़ रहा दबदबा

ब्यूनस आयर्स की 60 विधानसभा सीटों के लिए रविवार को मतदान हुआ। 25 लाख योग्य मतदाताओं में से करीब 53 प्रतिशत ने मतदान किया। मिलेई की पार्टी की जीत ने एक बात और साफ कर दी है कि दुनिया में दक्षिणपंथी राजनीति मजबूत हो रही है और यूरोप से लेकर अमेरिका तक यही पैटर्न दिखाई दे रहा है। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुए चुनाव तकनीक और एआई का भी दखल देखने को मिला। दरअसल मैक्री की पार्टी ने शिकायत दर्ज कराई है कि मतदान से पहले मैक्री की एआई जेनरेट वीडियो बनाया गया, जिसमें मैक्री ने लोगों से अपील की कि उनकी पार्टी हार चुकी है, इसलिए वे मिलेई की पार्टी के उम्मीदवार को वोट करें।

कोलंबियाई इन्फ्लुएंसर की घर के बाहर गोली मारकर हत्या, डिलीवरी मैन बनकर पहुंचा आरोपी

बोगोटा। कोलंबिया के कुकुटा शहर में 22 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मारिया जोस एस्टुपिनन सांचेज की घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सांचेज ला रिवेरा पड़ोस में अपने घर पर थीं। इस दौरान एक व्यक्ति डिलीवरी मैन बनकर वहां पहुंचा। वह नकली तोहफा लेकर आया था। जैसे ही सांचेज उसके पास पहुंची, आरोपी ने उन्हें गोली मार दी।

यह पूरी घटना पड़ोस में लगे एक सुरक्षा कैमरे में कैद हो गई। जिसमें देखा गया है कि आरोपी गोली मारने के बाद मौके से भाग गया। फुटेज में लोगों के चिल्लाने की भी आवाज सुनी गई, जो मदद के लिए आवाज लगा रहे थे।

आरोपी ने पार्सल पहुंचाने का नाटक किया

घटना के तुरंत बाद सांचेज को अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, उन्हें बचाया नहीं जा सका। पुलिस के अनुसार, यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजे के आसपास हुई। कुकुटा के मेट्रोपॉलिटन पुलिस के कर्नल लियोनार्डो कैपाचो ने कहा कि सांचेज की हत्या ऐसे व्यक्ति ने की है, जिसने पार्सल पहुंचाने का नाटक किया था।

हत्या के एक दिन पहले जीता था घरेलू हिंसा का मामला

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सांचेज ने एक दिन पहले ही अपने पूर्व प्रेमी के खिलाफ घरेलू हिंसा का मामला जीता था। अदालत ने उन्हें 30 मिलियन सीओपी (लगभग 7,000 अमेरिकी डॉलर) का हर्जाना देने का आदेश दिया था। इसके बाद, सांचेज की हत्या कर दी।

पूर्व प्रेमी को संदिग्ध मानकर जांच कर रही पुलिस

पुलिस अब पूर्व प्रेमी को संदिग्ध मानकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस का मानना है कि सांचेज को अदालत में मिली जीत का हत्या से संबंध हो सकता है। हालांकि, मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज में जैकेट, जींस और बैकपैक के साथ टोपी पहने हुए संदिग्ध की तलाश कर रही है।

पूर्व राष्ट्रपति बाइडन के कैंसर का पता चलने पर निशाने पर आईं पत्नी जिल, लोगों ने बताया दुष्ट महिला

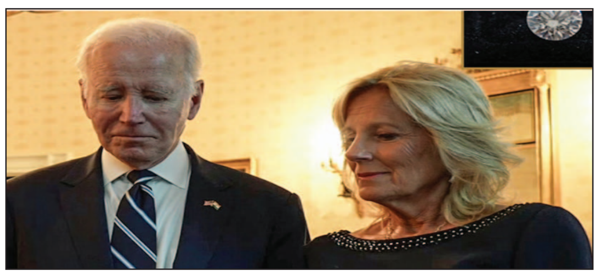

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित होने और कैंसर के हड्डियों तक फैल जाने का पता चलने के बाद से दुनियाभर में इसकी चर्चा है। इस बीच जो बाइडन की पत्नी जिल बाइडन सोशल मीडिया यूजर्स के निशाने पर आ गए हैं। दरअसल यूजर्स का कहना है कि जो बाइडन को कई साल से कैंसर था, लेकिन जिल बाइडन ने इस बात को छिपाए रखा। यूजर्स ने सवाल किया कि जिल बाइडन एक डॉक्टर हैं, इसके बावजूद वे जो बाइडन में कैंसर के लक्षणों को क्यों नहीं पहचान पाईं?

ट्रंप के बेटे ने भी उठाए सवाल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने जिल बाइडन पर सवाल उठाए हैं और पूछा कि वह कैसे कैंसर के लक्षणों को नहीं पहचान पाईं। जूनियर ने एक पोस्ट भी सोशल मीडिया पर साझा की, जिसमें बताया गया था कि प्रोस्टेट कैंसर के लक्षणों को पहचानना सबसे आसान है। पोस्ट में दावा किया गया है कि जिस तरह से जो बाइडन के प्रोस्टेट कैंसर को हड्डियों तक पहुंचा हुआ बताया गया है, उससे लगता है कि उन्हें कई साल पहले इसका पता चल गया होगा और उन्होंने राष्ट्रपति पद पर रहते हुए अमेरिकी लोगों से इसकी जानकारी छिपाई।

यूजर्स ने जिल बाइडन को बताया दुष्ट महिला

कई अन्य सोशल मीडिया यूजर्स ने भी जिल बाइडन को लेकर गंभीर आरोप लगाए। एक यूजर ने लिखा कि जिल बाइडन बिल्कुल भी अपने पति से प्यार नहीं करतीं और वह सिर्फ सत्ता की भूखी महिला हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा कि अगर जिल बाइडन, जो बाइडन के कैंसर के लक्षणों को नहीं पहचान पाईं तो इसका मतलब ये है कि वे असली डॉक्टर ही नहीं हैं। कुछ लोगों ने कहा कि जिल बाइडन ने अपने फायदे के लिए दुनिया से जो बाइडन की बीमारी को छिपाए रखा।

'बाइडन और उनके परिवार के लिए प्रार्थना कर रहे', कैंसर की खबर पर भारतीय-अमेरिकी सांसदों की प्रतिक्रिया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन को प्रोस्टेट कैंसर होने की खबर पर भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि वह बाइडन के जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। भारतीय मूल के सांसदों का यह बयान बाइडन के कार्यालय द्वारा उनको प्रोस्टेट कैंसर होने का खुलासा करने के बाद आया है। कार्यालय के अनुसार, 82 वर्षीय बाइडन को प्रोस्टेट कैंसर के आक्रामक रूप का पता चला है, जो उनकी हड्डियों तक फैल चुका है। वह अपने परिवार के साथ इलाज के विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

अमेरिकी कांग्रेसी रो खन्ना ने जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन को योद्धा कहा। उन्होंने विश्वास जताया है कि वे इस चुनौती का धैर्य और शालीनता के साथ सामना करेंगे। खन्ना ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'जो बाइडन और उनके परिवार के लिए प्रार्थना कर रहा हूं कि वे कैंसर से लड़ें। वे और जिल हमेशा से ही संघर्षशील रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस चुनौती का डटकर सामना करेंगे।

राजा कृष्णमूर्ति ने बाइडन को बताया अच्छा इंसान

अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने जो बाइडन को एक अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा कि वे बाइडन और उनके परिवार के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। राजा ने अमेरिका के लोगों से भी बाइडन के लिए प्रार्थना करने की अपील की। राजा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बाइडन ने अपना जीवन देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। वह एक अच्छे इंसान हैं। मैं उनके और उनके परिवार के लिए प्रार्थना कर रहा हूं।

बाइडन एक परिवर्तनकारी राष्ट्रपति और महान व्यक्ति: श्री थानेदार

अमेरिकी कांग्रेस सदस्य श्री थानेदार ने भी बाइडन को कैंसर होने की खबर सुनकर दुख जताया। उन्होंने बाइडन के नेतृत्व की प्रशंसा की। साथ ही उन्हें एक परिवर्तनकारी राष्ट्रपति और एक महान व्यक्ति बताया। श्री थानेदार ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'हमारे देश के लिए बाइडन की दशकों की सेवा एक ऐसा मॉडल है, जिसे हम सभी को देखना चाहिए। मैं उन्हें और उनके परिवार को अपने विचारों में रखता हूं और उन्हें शक्ति की कामना करता हूं।'

हमेशा देश और समुदाय के मुद्दों के लिए लड़े बाइडन: अजय भूटिया

पूर्व राष्ट्रपति बाइडन के एशियन-अमेरिकन मामलों के सलाहकार आयोग के सदस्य अजय भूटिया ने भी कैंसर के बारे में सुनकर दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण समय में उनकी प्रार्थनाएं जो बाइडन और उनके परिवार के साथ हैं। भूटिया ने एक बयान में कहा कि बाइडन को प्रोस्टेट कैंसर के आक्रामक रूप का पता चला है। पूर्व राष्ट्रपति हमेशा से ही हमारे देश, हमारे समुदायों और अपने दिल के करीब के मुद्दों के लिए लड़ने वाले रहे हैं। 2015 में अपने बेटे ब्यू की ब्रेन कैंसर से मृत्यु सहित कई गंभीर नुकसानों से प्रभावित उनकी व्यक्तिगत दृढ़ता ने कैंसर को खत्म करने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता को प्रेरित किया है।

एक ऐसी दर्दनाक घटना जो रूह कंपा देगी, जिंदा जले आठ बच्चों समेत 17 लोग, झुलसे गुलजार में बस बची मासूमों की हड्डियां...

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के प्रतिष्ठित चारमीनार के पास 'गुलज़ार हाउस' इमारत में रविवार सुबह संदिग्ध शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई, जिसमें एक ही परिवार के 17 सदस्यों की मौत हो गई, जिसमें आठ बच्चे भी शामिल थे। माना जा रहा था कि यह एक खुशनुमा गर्मी की छुट्टी मनाने का आयोजन था, लेकिन कुछ ही मिनटों में इमारत में ज़हरीला धुआँ फैल गया और यह अकल्पनीय त्रासदी में बदल गया।

हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग सगे संबंधी थे। पुलिस ने बताया कि आग संभवतः शॉट सर्किट के कारण लगी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''अस्पताल ले जाए गए सभी 17 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद में आग लगने की घटना में जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये दिये जाने की घोषणा की। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इस इमारत से बाहर निकलने का एकमात्र रास्ता एक संकरी सीढ़ी थी, लेकिन लोग उस रास्ते से तेजी से बाहर नहीं निकल सके। पुलिस ने बताया कि इमारत के भूतल पर आभूषण की दुकानें थीं और ऊपरी मंजिल पर एक फ्लैट में लोग रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि धुआं फैलने से लोगों का दम घुटने लगा।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संवाददाताओं को बताया कि यह परिवार वहां 125 वर्षों से रह रहा है, जिससे यह संकेत मिलता है कि वे पीढ़ियों से वहां रह रहे थे। कहा जाता है कि पीड़ित परिवार शहर की सबसे पुरानी आभूषण दुकानों में से एक का संचालन कर रहा था। ओवैसी ने कहा, ''अब परिवार के केवल दो सदस्य बचे हैं। मैं अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मुझे अग्निशमन सेवा महानिदेशक ने बताया कि ज्यादातर मौतें दम घुटने और धुएं के कारण हुईं... रिपोर्ट आने दीजिए, यह बहुत दर्दनाक है।'' हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी वी आनंद ने बताया कि गुलजार हाउस और आसपास के इलाकों की अधिकतर इमारतें 100 से 200 साल पुरानी हैं। तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा के महानिदेशक वाई नागी रेड्डी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि आग सुबह छह से सवा छह बजे के बीच देखी गई। रेड्डी ने बताया कि सुबह छह बजकर 16 मिनट पर अग्निशमन विभाग को सूचना मिली और दमकल गाड़ी जल्द ही वहां पहुंच गई। उन्होंने बताया कि भूतल पर दुकानें थीं, जबकि इमारत के प्रथम और द्वितीय तल पर आवासीय परिसर था। रेड्डी ने कहा, "प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉपिंग क्षेत्र में बिजली की मुख्य आपूर्ति में शॉर्ट सर्किट होना प्रतीत होता है।'' उन्होंने कहा कि आग लगने के समय इमारत में कुल 21 लोग थे, जिनमें से अग्निशमन विभाग द्वारा 17 को अचेत अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि इमारत से बाहर निकलने का सिर्फ एक ही रास्ता था जो एक सीढ़ी थी और ये काफी संकरी थी, इसी कारण वहां मौजूद लोग सुरक्षित बाहर नहीं निकल पाए। रेड्डी ने कहा कि बचाव अभियान के दौरान एक अग्निशमन अधिकारी भी घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तेलंगाना अग्निशमन विभाग ने एक बयान में बताया कि आग भूतल पर लगी और ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''तेलंगाना के हैदराबाद में आग लगने की घटना में लोगों की मौत होने से बहुत दुखी हूं। प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी तथा घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।'' तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर शोक व्यक्त किया और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि इमारत में फंसे लोगों को बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, रेड्डी ने गुलजार हाउस में हुई भीषण आग दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निशमन विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण बड़ी जनहानि टल गई। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लगभग चार लोगों की जान बचाने में सफल रहे।

समझ सकता हूं आप इतने तिलमिलाए क्यों हैं...डीएनए विवाद पर ब्रजेश पाठक का अखिलेश यादव को जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में डीएनए को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच तीखी बयानबाजी का दौर जारी है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को उनके डीएनए वाले बयान पर कड़ा जवाब देते हुए सपा की राजनीतिक सोच पर सवाल उठाए हैं। पाठक ने सपा पर जातिवादी, अलगाववादी और वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया, जबकि अखिलेश ने इसे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला और व्यक्तिगत हमला करार दिया। यह विवाद यूपी की सियासत में नया मोड़ ला रहा है, जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ब्रजेश पाठक ने एक सार्वजनिक मंच पर सपा नेताओं के डीएनए की जांच की बात कही थी। इस टिप्पणी को सपा ने व्यक्तिगत और आहत करने वाला बताया। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पाठक को पत्र लिखकर नाराजगी जताई और संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि डीएनए पर टिप्पणी यदुवंश और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती है। अखिलेश ने पाठक को उनकी स्वास्थ्य मंत्री की जिम्मेदारी और मर्यादा का भी ध्यान कराया। अखिलेश यादव जी, आप डीएनए के सवाल पर बहुत भड़के हुए हैं। मैने ये कहक्या दिया कि समाजवादी पार्टी के डीएनए में ख़राबी है, आप आपे से उसी तरह बाहर हो गए जैसे दस साल पहले यूपी की सत्ता से बाहर हो गए थे। आप इस बात को समझिए कि डीएनए में खराबी से हमारा मतलब किसी व्यक्ति विशेष से नहीं,

ब्रजेश पाठक का पलटवार- सपा का डीएनए है खराब

पाठक ने अखिलेश को जवाब देते हुए सपा की राजनीतिक विचारधारा पर साधा निशाना। उन्होंने कहा कि जब मैंने कहा कि सपा के डीएनए में खराबी है, तो मेरा मतलब किसी व्यक्ति विशेष से नहीं, बल्कि सपा की उस सोच से था जो जातिवादी और अलगाववादी है। पाठक ने सपा पर मुस्लिम तुष्टीकरण को अपनी राजनीति का केंद्र बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सपा की सरकारों ने शिक्षा, नियुक्तियों और कानून-व्यवस्था में एक वर्ग विशेष को प्राथमिकता दी, जिससे समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ा।

पाठक ने अखिलेश के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए आतंकियों से जुड़े 14 केस वापस लिए थे, ताकि तुष्टीकरण की राजनीति को बढ़ावा मिले। इसके अलावा, उन्होंने सपा पर दलितों के अधिकारों को कुचलने और उन्हें राजनीतिक रूप से हाशिए पर रखने का भी आरोप लगाया। सपा की सत्ता के लिए समाज को बांटने वाली मानसिकता सपा के डीएनए का हिस्सा है। इससे पहले अखिलेश ने कहा कि डीएनए पर टिप्पणी करना केवल व्यक्तिगत हमला नहीं, बल्कि यदुवंश और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी हमारी धार्मिक भावनाओं पर भी प्रहार है। अखिलेश ने पाठक से अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने और भविष्य में ऐसी बयानबाजी से बचने की अपील की। उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं को भी संयम बरतने की सलाह दी और कहा कि पार्टी स्तर पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने वालों को समझाया गया है। हमने उप्र के उप मुख्यमंत्री जी की टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए, पार्टी स्तर पर उन लोगों को समझाने की बात कही है जो समाजवादियों के डीएनए पर दी गयी आपकी अति अशोभनीय टिप्पणी से आहत होकर अपना आपा खो बैठे। आइंदा ऐसा न हो, हमने उनसे तो ये आश्वासन ले लिया है लेकिन आपसे भी यही आशा है कि

सोशल मीडिया पर भी उबाल

सोशल मीडिया पर भी यह विवाद छाया हुआ है। सपा के मीडिया सेल द्वारा पाठक के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी ने मामले को और तूल दी। पाठक के समर्थकों ने लखनऊ में अखिलेश का पुतला फूंका। पाठक ने सपा के सोशल मीडिया हैंडल की भाषा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी नेताओं की विचारधारा से मेल नहीं खाती है। पाठक ने अखिलेश को सलाह दी कि वे अपनी पार्टी के डीएनए को बदलें, वरना 2027 तक हर गली-मोहल्ले में उनकी पार्टी की सोच पर सवाल उठेंगे।

'सरदार का ग्रैंडसन' के चार साल पूरे होने पर अभिनेता ने शेयर किया वीडियो क्लिप, लिखा भावुक नोट

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने बीते दिन रविवार को अपनी फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' की रिलीज के चार साल पूरे कर लिए। इस मौके पर एक्टर ने एक भावुक पोस्ट शेयर किया।

18 मई 2021 में अर्जुन कपूर अभिनीत फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' रिलीज हुई, जिसने रविवार को अपनी रिलीज के चार साल पूरे कर लिए। इस मौके पर अभिनेता अर्जुन कपूर ने एक वीडियो क्लिप शेयर करते हुए भावुक नोट लिखा है। साथ ही हाल ही में दिवंगत हुई अपनी दादी को याद किया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या लिखा।

अर्जुन ने शेयर किया फिल्म का क्लिप

अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपनी फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' के चार साल पूरा होने पर, बीते दिन रविवार को फिल्म का एक क्लिप अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया। इस वीडियो में एक्ट्रेस नीना गुप्ता अभिनेता की दादी के रूप में दिख रही हैं, जो उन्हें समझाती बुझाती नजर आ रही हैं। इस क्लिप को शेयर करते हुए अर्जुन कपूर ने अपनी दिवंगत दादी निर्मल कपूर को याद करते हुए भावुक नोट लिखा है।

एक्टर ने अपनी दादी को किया याद

फिल्म का क्लिप साझा करते हुए अर्जुन कपूर ने स्टोरी में एक नोट लिखा। उन्होंने कहा, 'अपने दादा-दादी के लिए मैंने अपने दिल का यह छोटा सा टुकड़ा चार साल पहले बनाया था। इस फिल्म को याद करके बहुत अच्छा लगता है, क्योंकि मैंने दो सप्ताह पहले ही अपने आखिरी ग्रैंडपैरेंट को खोया है। मुझे उम्मीद है कि मेरे चारों ग्रैंडपैरेंट्स जहां भी होंगे खुश और मुस्कुराते हुए होंगे। रब रक्खा।' आपको बताते चलें कि इसी महीने 2 मई को 90 साल की उम्र में अभिनेता की दादी निर्मल कपूर का निधन मुंबई में हो गया था।

अर्जुन कपूर का वर्कफ्रंट

अभिनेता अर्जुन कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था। इस फिल्म में अर्जुन कपूर के अलावा भूमि पेडनेकर, रकुल प्रीत सिंह और हर्ष गुजराल भी मुख्य भूमिका में थे।

रविवार को एक्टर ईशान खट्टर ने फ्रांस से अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। वह भी कई बॉलीवुड एक्टर्स की तरह कान फिल्म फेस्टिवल में शामिल होने पहुंचे हैं। ईशान की इन तस्वीरों को देखकर उनकी फीमेल फैंस दीवानी सी हो गईं। एक्टर की तस्वीरों पर फीमेल फैंस ने ढेर सारे रिएक्शन भी दिए हैं।

ईशान खट्टर कान में शामिल होने फ्रांस पहुंचे, तस्वीरें की साझा तो दीवानी हो गईं फीमेल फैंस

बॉलीवुड एक्टर ईशान खट्टर ने फ्रांस की खूबसूरत स्ट्रीट से अपनी कुछ तस्वीरें फैंस के साथ साझा की हैं। साथ ही एक कैप्शन भी लिखा- बोनजोर, कान फिल्म फेस्टिवल। बोनजोर शब्द का मतलब फ्रेंच में होता है नमस्ते या गुड मॉर्निंग। ईशान की फिल्म 'होमबाउंड' का कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर होने वाला है। यह प्रीमियर 21 मई को होगा। इस फिल्म को नीरज घेवान ने निर्देशित किया है। यही कारण है कि ईशान फ्रांस पहुंचे हैं।

फीमेल फैंस ने दिए ये रिएक्शन

ईशान खट्टर ने जो तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, उन पर फीमेल फैंस के रिएक्शन ही सबसे ज्यादा हैं। एक फीमेल फैन लिखती है, 'हेलो हैंडसम', वहीं दूसरी फैन ने लिखा, 'ईशान आप कितने कमाल के दिख रहे हैं।' एक अन्य फैन ने लिखा, 'मुझे 'रॉयल्स' वेब सीरीज का दूसरा सीजन देखना है।' ऐसे ही कई कमेंट्स ईशान खट्टर की फीमेल फैंस ने किए हैं।

'रॉयल्स' सीरीज में शर्टलेस सीन्स किए

ईशान खट्टर की फीमेल फैन फॉलोइंग इन दिनों इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि उन्होंने वेब सीरीज 'रॉयल्स' में खूब शर्टलेस सीन्स दिए हैं। इन सीन्स में ईशान खट्टर की बॉडी, फिटनेस की फीमेल फैंस दीवानी हो गईं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि शर्टलेस सीन्स देने के लिए ईशान ने एक्सट्रा पैसे चार्ज किए हैं।

फिल्मी परिवार से आते हैं ईशान

ईशान खट्टर भी एक फिल्मी परिवार से आते हैं, उनके सौतेले भाई शाहिद कपूर हैं लेकिन दोनों की बॉन्डिंग कमाल की है। शाहिद कपूर के पिता पकंज कपूर हैं और मां नीलिमा आजमी हैं। पकंज कपूर से तलाक बाद नीलिमा ने राजेश खट्टर से शादी की। ईशान के पिता राजेश खट्टर हैं। हाल ही में ईशान ने बताया कि शाहिद कपूर हमेशा उन्हें करियर को लेकर सही गाइडेंस देते हैं।

ईशान खट्टर का करियर फ्रंट

फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले ईशान खट्टर हाल ही में वेब सीरीज 'रॉयल्स' में नजर आए थे। इसमें एक रॉयल फैमिली के मेंबर का रोल ईशान ने किया। इस वेब सीरीज में भूमि पेडनेकर ईशान खट्टर के अपोजिट नजर आईं। वहीं इन दिनों वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'होमबाउंड' को लेकर चर्चा में हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com